E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 07 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, मंगलवार 21 जुलाई, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

सोनम वांगचुक की पत्नी बोलीं- यह अंत नहीं है, शिक्षा में सुधार की मांग के लिए जारी रहेगा संघर्ष

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'चलो संसद' मार्च के बीच सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने कहा कि यह आंदोलन केवल विरोध-प्रदर्शन या अनशन तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार और देश के भविष्य से जुड़े मुद्दों को उठाने का एक प्रयास है। गीतांजलि ने कहा, 'आज का दिन बहुत अहम है लेकिन यह अंत नहीं है। यह सिलसिला जारी रहेगा। जरूरी नहीं कि विरोध, प्रदर्शन और अनशन के जरिए ही लेकिन यह मांग बनी रहेगी कि शिक्षा और शिक्षा में सुधार का मुद्दा भारत का सबसे अहम मुद्दा बने, ताकि हमारे भारत के भविष्य को आगे बढ़ने के मौके मिलें। जिस मकसद के लिए उनका जन्म हुआ था, वे उस क्षमता को साकार कर सकें। तभी भारत दुनिया का लीडर और ग्लोबल गाइड बन पाएगा। वहीं, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने प्रदर्शन के दौरान अपनी मांगों को दोहराया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रमुख मांगें स्पष्ट हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सोनम वांगचुक को तुरंत रिहा करने की मांग भी रखी।

आजाद समाज पार्टी (केआर) के नेता और सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण ने भी प्रदर्शन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि देश का युवा अब अपने अधिकारों को लेकर जागरूक हो चुका है और अपनी आवाज उठाने के लिए सड़कों पर उतर रहा है।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा, 'देश का नौजवान अपना काम कर रहा है और पुलिस अपना कर्तव्य निभा रही है। लेकिन सच यह है कि युवाओं के अंदर जो डर था, वह अब खत्म हो चुका है। जब किसी व्यक्ति के अंदर से डर निकल जाता है तो वह अपने अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ा होता है।'

उन्होंने सरकार से अपील की कि युवाओं की मांगों को गंभीरता से सुना जाए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को जल्द फैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की नाराजगी को नजरअंदाज करना किसी भी सरकार के लिए उचित नहीं होगा।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि उनकी पार्टी इस आंदोलन का समर्थन शुरू से करती रही है। उन्होंने बताया कि जब आंदोलन शुरू हुआ था, तभी से उनकी पार्टी के कार्यकर्ता

इसमें शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की थी कि वे पार्टी के झंडे से ऊपर उठकर युवाओं के मुद्दे के समर्थन में आएं।

वहीं, सीपीआई (एम) नेता बृंदा करात ने भी प्रदर्शन को समर्थन देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन सरकार की जवाबदेही और नागरिकों के प्रति उसकी जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं ने लाखों छात्रों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। इसी मुद्दे को लेकर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार नागरिकों की समस्याओं और युवाओं के भविष्य को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार की जिम्मेदारी जनता के प्रति जवाबदेह रहने की होती है और छात्रों से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान विभिन्न संगठनों और प्रतिभागियों ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता और छात्रों के हितों से जुड़े मुद्दों पर अपनी-अपनी राय व्यक्त की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सुधार से जुड़े विभिन्न सुझाव भी सामने रखे।

'धरना समाप्त करें प्रदर्शनकारी', CJP के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा का बयान

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। जेपी नड्डा ने इस मुलाकात की तस्वीर को शेयर करते हुए कहा कि हमारी बातचीत जारी है। मैंने धरने को समाप्त करने अनुरोध किया है। जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 से ही हमारी बातचीत जारी है। सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4 बजे मुझे लिखित याचिका दी गई। उन्होंने आगे कहा कि मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे अपने धरने को समाप्त करें और सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन की मदद करें। हालांकि, सीजेपी की तरफ से कहा गया है कि उनकी मांगों को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। जब तक ऐसा नहीं होता है, आंदोलन खत्म नहीं होगा। मुलाकात के बाद सीजेपी प्रतिनिधि सौरभ दास ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री के समक्ष अपनी प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे या उन्हें पद से हटाने की मांग शामिल है। उनका कहना था कि मंत्री जी ने भरोसा दिलाया है कि वे इस मामले पर सही स्तर पर बात करेंगे। हालांकि, अभी तक कोई पक्का वादा नहीं किया गया है।

बाराबंकी से सीएम योगी का विपक्ष पर बड़ा हमला

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी में 542 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 82 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में विपक्ष, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस, पर कई समसामयिक मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने सनातन, सांस्कृतिक विरासत, कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्थलों के विकास, रक्षा उत्पादन और पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों को लेकर विपक्ष को घेरा। साथ ही लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोधेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन कर उन्हें आत्मिक आनंद की अनुभूति हुई। बाराबंकी की पहचान भगवान लोधेश्वर महादेव, पारिजात वृक्ष और हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू जैसी ऐतिहासिक धरोहरों से है, लेकिन आजादी के बाद लंबे समय तक इन विरासतों की उपेक्षा की गई। सीएम योगी ने कहा कि आजादी की रोशनी लोधेश्वर महादेव मंदिर तक नहीं पहुंच सकी, जबकि उस दौर में कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल के लिए धन की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने घोषणा की कि भगवान लोधेश्वर महादेव मंदिर के भव्य कॉरिडोर के निर्माण के लिए सरकार ने धनराशि स्वीकृत कर दी है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग की आलोचना की

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह शिक्षा नीति की कमियों पर चर्चा करने से कतरा रही है। संसद के बाहर मीडिया से बात करते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने उन छात्रों के खिलाफ कथित तौर पर बल प्रयोग और आंसू गैस के इस्तेमाल की निंदा की, जो राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं और शिक्षा नीति में गड़बड़ियों के खिलाफ संसद के पास विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे थे। सांसद ने कहा, 'आप उन्हें पीट रहे हैं और उन पर आंसू गैस छोड़ रहे हैं। ऐसा क्यों किया जा रहा है? आखिरकार, वे हमारे बच्चे हैं।'

उन्होंने कहा, 'वे देश का भविष्य हैं। यह संसद उनकी है। यह किसी की निजी संपत्ति नहीं है। हम सभी यह मुद्दा उठाते रहे हैं और कहते रहे हैं कि शिक्षा नीति में वास्तविक समस्याएं हैं, और राहुल गांधी लंबे समय से यह मुद्दा उठाते रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'हम सभी चर्चा करने का अनुरोध करते रहे हैं। शिक्षा नीति में बड़ी समस्याएं और मुद्दे हैं, लेकिन आप कोई चर्चा करने को तैयार नहीं हैं और दूसरी ओर, आप बच्चों को पीट रहे हैं।' सोमवार को दिल्ली में संसद मार्ग पर तनाव का माहौल था, जब कॉकरोच जनता पार्टी और उसके समर्थकों ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए 'संसद चलो' विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। जब प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन की ओर बढ़ने की कोशिश की, तो उनका सामना पुलिस बल से हुआ। सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रंका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के सामने अपनी मांगें रखीं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे प्रदर्शनकारियों की मांगों पर नेतृत्व के साथ आंतरिक रूप से चर्चा करेंगे। यह विरोध प्रदर्शन नीट-यूजी पेपर लीक मामले और परीक्षाओं से जुड़ी अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के लिए आयोजित किया गया था।

नगरीय निकाय चुनाव 2 और पंचायत चुनाव 4 चरण में होंगे- निर्वाचन आयुक्त

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव दो चरण में और पंचायती राज चुनाव 4 चरण में करवाया जाना प्रस्तावित है। इसका कारण है कि नगरीय निकाय चुनाव के एक चरण के लिए ६०,००० कर्मचारी और ५० हज़ार पुलिस कर्मी चाहिए। इसी प्रकार पंचायती राज चुनाव के एक चरण के लिए ८०,००० कर्मचारी और ७०,००० पुलिस कर्मी चाहिए। राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजेश्वर सिंह ने खास खबर डॉट कॉम को बताया कि नगरीय चुनाव दो चरण में कुल ३०९ नगरीय निकायों के १०,२४५ वार्ड के १६,४८२ मतदान केन्द्रों पर होगा जिसमे १,४३,७५,८०६ मतदाता भाग लेंगे। इसी प्रकार पंचायत चुनाव चार चरणों में कुल १४,४०३ ग्राम पंचायतों, ४५७ पंचायत समितियों और ४१ जिला परिषदों के कुल ४५, ३१६ मतदानकेंद्रों पर होगा जिसमे कुल ४,०२,१८,९६९ मतदाता भाग लेंगे। इसके अलावा नगरीय निकाय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रधान, उप प्रधान, प्रमुख, उप प्रमुख के अप्रत्यक्ष चुनाव भी होंगे।

जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को समर्थन देने पहुंचे आप नेताओं ने की शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार, लगातार हो रहे पेपर लीक और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे युवाओं के प्रदर्शन ने सोमवार को राजनीतिक रंग ले लिया। आम आदमी पार्टी (आप) के कई वरिष्ठ नेता प्रदर्शन में शामिल हुए और केंद्र सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने तथा आंदोलनकारियों के साथ सख्ती बरतने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, नेता प्रतिपक्ष आतिशी, गोपाल राय, विधायक संजीव झा और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा समेत कई नेता मौजूद रहे। सभी ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई। मनीष सिसोदिया ने कहा कि जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में युवाओं की मौजूदगी यह दिखाती है कि लोग अब डर से बाहर निकल चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन यह आंदोलन अब पूरे देश के युवाओं का आंदोलन बन चुका है। उनके मुताबिक, लगातार पेपर लीक की घटनाओं से करोड़ों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।

सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों से संवाद करने के बजाय पुलिस बल का इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग किया गया।

साथ ही उन्होंने आंदोलन से जुड़े अभिजीत दीपके की हिरासत का मुद्दा उठाते हुए उनकी तत्काल रिहाई की मांग की।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जंतर-मंतर और उसके आसपास बड़ी संख्या में युवा जुटे, जिनमें दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के छात्र भी शामिल थे। उनके अनुसार, यह भागीदारी केंद्र सरकार के प्रति युवाओं

के बढ़ते असंतोष का संकेत है। आतिशी ने आरोप लगाया कि यदि सरकार परीक्षा आयोजित कराने में उतनी ही गंभीर होती, जितनी प्रदर्शन रोकने में दिखाई दी, तो नीट, एसएससी, टीईटी समेत अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाएं नहीं होतीं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और व्यापक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया।

गोपाल राय ने कहा कि सरकार को तीन कदम तुरंत उठाने चाहिए—अभिजीत दिपके की रिहाई, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाना और प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई। उन्होंने कहा कि छात्रों के धैर्य की परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए।

विधायक संजीव झा ने कहा कि युवाओं की आवाज दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। वहीं, अनुराग ढांडा ने कहा कि बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि नई पीढ़ी शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर जवाबदेही चाहती है।

लड़की पर हमले और 50 लोगों का सिर फूटने की खबर गलत: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान किसी भी व्यक्ति पर हमला नहीं हुआ है। दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि पर हमले की खबर को झूठा बताया। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने एक्स पोस्ट में बताया था कि एक 12 साल की लड़की पर हमला हुआ है और 40 से 50 लोगों के सिर फूट गए हैं। उन्होंने पोस्ट में दिल्ली पुलिस को टैग करते हुए सवाल पूछा था। इसके जवाब में दिल्ली पुलिस ने बताया था कि ये सारे दावे झूठे हैं। सौरव दास ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'दिल्ली पुलिस ने गीतांजलि (सोनम वांगचुक की पत्नी) जी के बाल खींचे, मारपीट की। एक 12 साल की लड़की का सिर फोड़ दिया गया है। 40-50 और लोगों के सिर फोड़ दिए गए! दिल्ली पुलिस क्या हो रहा है!?' दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर में धरने वाली जगह को खाली करा दिया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सीजेपी के नेताओं से बात की है।

यूपीआई से अब तक 55.5 करोड़ से अधिक यूजर जुड़े, वित्त वर्ष 26 में 24,161 करोड़ से ज्यादा लेनदेन हुए

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म से 55.49 करोड़ से अधिक यूजर जुड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई के जरिए 24,161.69 करोड़ लेनदेन हुए, जिनकी कुल राशि 314.23 लाख करोड़ रुपए रही। यह जानकारी केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद में दी। लोकसभा में लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि पिछले पांच वित्त वर्षों में यूपीआई के लेनदेन की संख्या और मूल्य में लगातार तेज वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2021-22 में 4,595.61 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 84.16 लाख करोड़ रुपए; वित्त वर्ष 2022-23 में 8,371.44 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 139.15 लाख करोड़ रुपए; वित्त वर्ष 2023-24 में 13,112.95 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 199.95 लाख करोड़ रुपए; वित्त वर्ष 2024-25 में 18,586.60 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 260.56 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में 24,161.69 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 314.23 लाख करोड़ रुपए था।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल), जिसे अप्रैल 2020 में एनपीसीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में स्थापित किया गया था, विदेशी संस्थाओं के साथ साझेदारी कर भारत के डिजिटल भुगतान नेटवर्क का वैश्विक विस्तार कर रही है। इसके तहत विभिन्न देशों में यूपीआई और रुपे कार्ड जैसी भुगतान प्रणालियां लागू की जा रही हैं। इन साझेदारियों से भारतीय पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों को विदेशों में सहज डिजिटल भुगतान की सुविधा मिल रही है। साथ ही, साझेदार देशों को यूपीआई जैसी रियल-टाइम भुगतान प्रणाली और रुपे जैसी घरेलू कार्ड भुगतान व्यवस्था विकसित करने में भी मदद मिल रही है। सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और एनपीसीआई ने यूपीआई लेनदेन को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें धोखाधड़ी रोकने के लिए जोखिम-आधारित ट्रांजैक्शन लिमिट, मोबाइल नंबर में अनधिकृत बदलाव और एसएमएस आधारित प्रमाणीकरण के दुरुपयोग से सुरक्षा और यूपीआई ऐप्स के लिए कड़े सुरक्षा मानक शामिल हैं। इससे भारत के प्रमुख डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म यूपीआई की वैश्विक पहुंच लगातार बढ़ रही है।

सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के मामले में पूर्व विधायक होशियार सिंह चंब्याल पर एफआईआर दर्ज

शिमला। हिमाचल प्रदेश के देहरा विधानसभा से विधायक रहे होशियार सिंह चंब्याल की मुश्किलें बढ़ गई है। सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के मामले में राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एफआईआर दर्ज की है। अधिकारियों ने बताया कि देहरा के पूर्व विधायक रहे होशियार सिंह चंब्याल के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। यह शिकायत होशियार सिंह की एक कंपनी के कर्मचारियों ने दी थी।

शुरुआत में उपलब्ध अभिलेखों, संबंधित लाभार्थियों के बैंक अभिलेखों, सरकारी दस्तावेजों और शिकायतकर्ताओं व अन्य व्यक्तियों के बयानों की जांच की गई। इसमें तथ्य सामने आया कि साल 2023 और 2024 के दौरान अनुदान योजना के अंतर्गत कुछ व्यक्तियों के नाम पर वित्तीय सहायता स्वीकृत और जारी की गई, जबकि शिकायतकर्ता समेत अन्य संबंधित व्यक्तियों ने कथित रूप से ऐसी किसी सहायता के लिए आवेदन नहीं किया था। जांच के दौरान इन लाभार्थियों ने कथित रूप से यह भी कहा कि सहायता राशि उनके बैंक खातों में आने के बाद नकद निकालकर पूर्व विधायक के निर्देशानुसार उन्हें सौंप दी गई। जांच पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और साक्ष्य-आधारित ढंग से की जाएगी।

संपादकीय

सीएम भजनलाल शर्मा का सख्त संदेश -अधिकारी बहाने नहीं बनाएं, समय पर काम पूरा कर जनता को राहत पहुंचाएं

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकास परियोजनाओं को टाइमलाइन में पूरा कर जनता को समय पर लाभ पहुंचाना राज्य सरकार और हर कार्मिक की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने अधिकारियों को सख्त संदेश दिया कि वे कार्यों में देरी या लापरवाही को लेकर कोई बहाना नहीं बनाएं, बल्कि जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए विकास कार्यों की गति को तेजी से बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नति की सातवीं बैठक में सात विभागों की लगभग 15 हजार 890 करोड़ रुपये की लागत की परियोजनाओं एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, पंच गौरव योजना, और ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर की समीक्षा करते हुए यह दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने राज उन्नति की गत बैठकों में दिए गए निर्देशों की समीक्षा भी की।

उन्होंने जयपुर रिंग रोड (उत्तरी) परियोजना की समीक्षा करते हुए वन विभाग एवं रेलवे से समन्वय स्थापित करते हुए इस परियोजना से जुड़े लंबित मुद्दों का समाधान कर शीघ्र कार्य प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना जयपुर में यातायात दबाव कम करने में मील का पत्थर साबित होगी। इस परियोजना की डीपीआर को अंतिम रूप देकर केन्द्रीय कैबिनेट को अनुमोदन हेतु भिजवाया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि 11 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से बनने वाली जयपुर नॉर्दन रिंग रोड अजमेर हाइवे एनएच-48 (बगरू) से प्रारम्भ होकर जयपुर-दिल्ली एनएच-48 एवं जयपुर-सीकर एनएच-52 से निकलकर जयपुर-बांदीकुई स्पर तक बनेगी।

मुख्यमंत्री ने पंच गौरव कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्य सचिव इसकी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए प्रभावी विस्तार की योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पाद हर जिले की आर्थिक समृद्धि के आधार हैं। इस योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर जिले की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकता है। गत वर्ष जिन जिलों में योजना के अंतर्गत आवंटित राशि का व्यय कम हुआ है, वे अभी से कार्यों को गति प्रदान करें। साथ ही, प्रत्येक जिले में चिन्हित पंच गौरवों (उपज, उत्पाद, वनस्पति प्रजाति, पर्यटन स्थल एवं खेल) के समग्र विकास, संवर्धन और संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाएं। उन्होंने पंच गौरव योजना में कम उपलब्धि वाले जिलों को निर्देश दिए कि वे अपने काम में तेजी लाएं और शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें। उन्होंने एम्स दिल्ली की तर्ज पर आरयूएचएस को राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के रूप में विकसित करने के काम में आ रही व्यावहारिक बाधाओं को दूर करते हुए इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरयूएचएस में 13 विभागों की सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाओं के विकास पर 750 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। प्रथम चरण में यहां इस वर्ष के अंत तक लगभग 140 करोड़ रुपये की लागत से गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, सीटीवीएस विभागों की सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण इस संस्थान के विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को जल्द से जल्द शुरू किया जाए। दिसंबर माह तक इस संस्थान का लोकार्पण किया जाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने रेलवे की लूणी-समदड़ी-भीलड़ी डबलिंग प्रोजेक्ट, राजसमंद व उदयपुर में नवीन प्रोटीन पशु आहार संयंत्र की स्थापना, कोटपूतली-बहरोड़ में बायोगैस प्लांट की स्थापना सहित राइजिंग राजस्थान समिट से संबंधित निवेश एमओयू की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण की दिशा में प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

नौकरी छूटने के बाद ज्योतिष की ओर बढ़े कदम, नीति कोटिया ने साझा किया करियर और दशम भाव का अध्ययन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। सॉफ्टवेयर इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और रचनात्मक लेखिका नीति कोटिया ने नौकरी छूटने के बाद शुरू हुई अपनी व्यक्तिगत जिज्ञासा को वैदिक ज्योतिष के अध्ययन में बदल दिया। 14 वर्षों तक आईटी कंपनियों में तकनीकी एवं क्रिएटिव राइटर के रूप में कार्य कर चुकीं और The Life I Didn't Plan, But Lived पुस्तक की लेखिका नीति कोटिया ने अपने अध्ययन में विशेष रूप से दशम भाव (कर्म भाव) और उसके करियर पर पड़ने वाले प्रभावों को समझने का प्रयास किया है। नीति कोटिया के अनुसार, नई नौकरी मिलने की संभावनाओं को जानने के लिए उन्होंने कई ज्योतिषियों से परामर्श लिया। अलग-अलग भविष्यवाणियां मिलने के बाद उन्होंने स्वयं वैदिक ज्योतिष का अध्ययन शुरू किया, ताकि यह समझ सकें कि करियर और पेशेवर जीवन के बारे में ज्योतिष किस आधार पर विश्लेषण करता है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार इसी भाव, उसके स्वामी ग्रह, ग्रहों की स्थिति और दशा-अंतर्दशा के आधार पर नौकरी, पदोन्नति, वेतन वृद्धि और कार्यक्षेत्र का विश्लेषण किया जाता है।

बिजली की वीसीआर कार्रवाई पर भड़के रेल लाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष अकबर खान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अकबर खान ने बुधवार को टोंक के नव नियुक्त विद्युत अधीक्षण अभियंता (एसई) शेर सिंह मीणा से मुलाकात कर शहर में बिजली व्यवस्था तथा वीसीआर (विद्युत चोरी प्रकरण) की कार्रवाई को लेकर गरीब उपभोक्ताओं की समस्याएं उठाईं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में की जा रही कार्रवाई से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अत्यधिक वित्तीय बोझ पड़ रहा है।

राजसमन्द में चिकित्सक (कनिष्ठ विशेषज्ञ सामान्य सर्जरी) 1,300 रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

राजसमन्द। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. चौकी राजसमन्द द्वारा आज कार्यवाही करते हुये आरोपी डॉ पंकज जैन हाल कनिष्ठ विशेषज्ञ (जनरल सर्जरी) आर. के. चिकित्सालय राजसमन्द को रिश्वत राशि 1300 रूपये लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कि ए. सी.बी. चौकी राजसमन्द को परिवादी से एक शिकायत इस आशय की मिली कि 'मेरे लडके की दाहिनी आंख के पास सिस्ट (छोटी गांठ) का आरके राजकीय चिकित्सालय में ऑपरेशन के नाम पर डॉ पंकज जैन द्वारा 2,000 रूपये की मांग कर

परेशान किया जा रहा है। जिस पर डॉ रामेश्वर सिंह उप महानिरीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर रेंज, उदयपुर के सुपरवीजन में हिम्मत चारण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ए. सी.बी. चौकी राजसमन्द द्वारा रिश्वत राशि मांग सत्यापन की कार्यवाही करवाई गई। जिस पर आरोपी डॉक्टर ने परिवादी से दौराने रिश्वत राशि मांग सत्यापन की कार्यवाही के 1800 रूपये रिश्वत राशि लेने हेतु सहमत हुआ एवं 500 रूपये मांग सत्यापन की कार्यवाही के दौरान ग्रहण किए गए। रिश्वत राशि मांग सत्यापन के अनुसरण में 1300 रूपये लेते हुए आरोपी डॉ पंकज जैन हाल कनिष्ठ विशेषज्ञ (जनरल सर्जरी) आर. के. चिकित्सालय राजसमन्द को रंगे हाथों ट्रेप किया गया। मांग सत्यापन के दौरान ग्रहण किए गए 500 रूपये की राशि भी बरामद की गई। आरोपीं से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

बाड़मेर में एसीबी की कार्रवाई : पटवारी 15,000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर/बाड़मेर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय राजस्थान, जयपुर के निर्देश पर बाड़मेर इकाई ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी टीम ने जाल बिछाकर ईटादा पटवार मंडल (तहसील धनाऊ, जिला बाड़मेर) के पटवारी संजयकुमार मीणा को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी की बाड़मेर चौकी को इस संबंध में एक शिकायत प्राप्त हुई थी।

परिवादी ने शिकायत में बताया था कि उसने और उसके भाई ने ग्राम ईटादा में स्थित अपनी कृषि भूमि (खेत) का कमर्शियल कन्वर्जन (व्यवसायिक रूपांतरण) करवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। इस आवेदन पर तहसीलदार धनाऊ ने मौका जांच कर रिपोर्ट पेश करने के आदेश पटवारी हल्का ईटादा के नाम जारी किए थे।

राज्य सरकार प्रगतिशील नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से उद्योगों को गति प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने सोमवार को अलवर में ट्रैक्टर्स एण्ड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टैफे मोटर्स एण्ड ट्रैक्टर्स लिमिटेड के विनिर्माण संयंत्र में डॉयट्स इंजन उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया। यह टैफे मोटर्स और डॉयट्स एजी के बीच उत्पादन और विनिर्माण के क्षेत्र में पहली साझेदारी है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन राठौड ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रगतिशील नीतियों एवं व्यापार को आसान बनाने वाली व्यवस्थाओं के माध्यम से उद्योग स्थापना के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे राज्य एक पसंदीदा मैन्युफेक्चरिंग केंद्र के रूप में उभर रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश अनुकूलता के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट का वृहद स्तर पर आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में 35 लाख करोड़ रूपये से अधिक के निवेश समझौते हुए हैं। इससे प्रदेश में उद्योगों की रफ्तार में गति मिल रही है और युवाओं के लिए रोजगार के नवीन अवसर सृजित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि टैफे नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने व विश्व स्तरीय तकनीक एवं मैन्युफेक्चरिंग उत्कृष्टता के माध्यम से भारत के किसानों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मंत्री श्री राठौड ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने की दिशा में राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 30 से अधिक नवीन नीतियां लागू की गई है, जिनमें एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन, टैक्सटाइल, लोजिस्टिक्स, डेटा सेंटर, सेमी कंडक्टर इत्यादि पर आधारित नीतियां शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य में नीतियों के निर्माण से निवेश को बढ़ावा मिला है।

मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित विनिर्माण इकाइयों की स्थापना से राजस्थान की औद्योगिक क्षमता को नई मजबूती मिलेगी।

नगर निगम जयपुर की बड़ी कार्रवाई: 37 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला, 4 कैंटर सामान जब्त

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने सोमवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 37 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया और 4 कैंटर सामान जब्त किया।

यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशों और पूर्व में प्राप्त शिकायतों के आधार पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण में प्रयुक्त और सड़क पर रखे गए सामान को जब्त कर 4 कैंटर में भरकर नगर निगम के गोदाम भेजा गया। साथ ही मौके पर ही अतिक्रमणकर्ताओं से 37 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि अभियान के दौरान संबंधित लोगों को भविष्य में सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी भी दी गई।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने की मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा, गर्भवती महिलाओं के रेफरल सिस्टम को मजबूत करने के निर्देश

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में प्रदेशभर के मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं के रेफरल प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि प्रत्येक गर्भवती महिला को आवश्यकता पड़ने पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा सके। मुख्य सचिव ने बैठक में गत 24 घंटों के दौरान प्रदेश में हुए प्रसवों की समीक्षा करते हुए संतोष व्यक्त किया कि इस अवधि में कोई गंभीर स्थिति सामने नहीं आई।

उन्होंने उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं वाले जिलों के सीएमएचओ से वन टू वन जानकारी ली,जिलों के सीएमएचओ ने बताया कि प्रदेशभर में सभी एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) एवं आशा सहयोगिनियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित कर प्रत्येक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला की नामवार सूची तैयार कर संबंधित एएनएम से मैपिंग की गई है। इससे ऐसी महिलाओं की नियमित निगरानी एवं समय पर उपचार सुनिश्चित किया जा जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में गंभीर एनीमिया के मामलों की विशेष निगरानी की जाए तथा त्वरित उपचार के माध्यम से उनकी स्वास्थ्य स्थिति में शीघ्र सुधार लाया जाए।

ग्रामीण सेवा शिविर 2026 के दौरान हस्तांतरित शक्तियां फॉलोअप शिविर में भी रहेंगी जारी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में त्वरित राहत पहुंचाने तथा लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गांव-ढाणी तक पहुंचाने के उद्देश्य से व्यापक कार्ययोजना क्रियान्वित की गई है।

सफलता से संपन्न हुए ग्रामीण सेवा शिविर-2026 (12 जून से 15 जुलाई) के क्रम में अब प्रदेशभर में 21 जुलाई से 31 अगस्त, 2026 तक फॉलो-अप शिविर आयोजित किए जाएंगे। 22 विभागों की रहेगी सहभागिता प्रमुख शासन सचिव, राजस्व टी. रविकांत द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, फॉलो-अप शिविरों में राजस्व विभाग सहित पंचायती राज, कृषि, ऊर्जा, चिकित्सा, शिक्षा, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सहित शासन के 22 प्रमुख विभाग प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करेंगे। भूमि आवंटन सलाहकार समिति की बैठक अब जिला अथवा तहसील मुख्यालय के स्थान पर संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ही आयोजित की जाएगी।

भूमि आवंटन हेतु आवेदन आमंत्रित करने की उद्घोषणा अवधि को भी 15 दिवस से घटाकर 7 दिवस कर दिया गया है, जिससे प्रकरणों का त्वरित निस्तारण संभव हो सकेगा।

निजी विद्यालयों को नियमों की पालना अनिवार्य, लापरवाही पर होगी कार्रवाई : शिक्षा मंत्री

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि राजस्थान में निजी विद्यालयों की मान्यता प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और सरल बनाया जाएगा। नवीन मान्यता के लिए आवेदन 31 जुलाई से आमंत्रित किए जाएंगे तथा प्रत्येक स्तर पर निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निजी विद्यालयों को सरकारी नियमों की पूर्ण पालना करनी होगी, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री सोमवार को शिक्षा संकुल में निजी विद्यालयों की मान्यता प्रक्रिया के सरलीकरण तथा लंबित प्रकरणों की समीक्षा बैठक में निर्देश दे रहे थे। दिलावर ने नवीन मान्यता आवेदनों की प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रथम स्तर पर गठित समिति 7 दिवस के भीतर जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी 15 दिवस के भीतर रिपोर्ट का परीक्षण कर उसे अग्रेषित करेंगे। अंतिम निर्णय निदेशक स्तर पर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी होगी। समिति के गठन तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने की संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा के अनुरूप होगी।

यदि कोई जांच अधिकारी अनावश्यक विलंब करता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण में पाई गई प्रत्येक कमी का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा तथा आवेदन निर्धारित प्रारूप में ही स्वीकार किए जाएंगे। साथ ही बच्चों की सुरक्षा एवं नियमों के सरलीकरण के लिए आवश्यक संशोधन भी किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में छात्रों के बैठने की समुचित व्यवस्था, प्रार्थना सभा, भवन, कक्षों, आवागमन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा विद्यालय यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को विद्यालय परिसर के बाहर वाहन से न उतारा जाए, बल्कि सुरक्षित रूप से परिसर के भीतर ही उतारा जाए।

राजस्थान/ प्रादेशिक

अवैध शराब तस्करों पर पुलिस का शिकंजा, 109 पव्वे देशी शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। जिले में अवैध मादक पदार्थ एवं शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुरानी टोंक थाना पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 109 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हडक़ंप मच गया है। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव तथा वृत्ताधिकारी मृत्युंजय मिश्रा के सुपरविजन में थाना पुरानी टोंक के प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में गठित विशेष टीम लगातार अवैध शराब के खिलाफ अभियान चला रही है।

पुलिस टीम गश्त के दौरान नगर फायरिंग बट की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर पहुंची, जहां एक संदिग्ध प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी लेने पर उसमें 55 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद हुई।

इस मामले में सुमेश कुमार (31) निवासी रैगरों का मोहल्ला, छावनी टोंक को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। इसी दौरान दूसरी कार्रवाई में जैन नसिया मंदिर रोड स्थित तेजाजी मंदिर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति के हाथ में पकड़े कपड़े के थैले की तलाशी ली गई।

जांच में थैले से 54 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद होने पर राजेश उर्फ राजू (39) निवासी मेहंदी बाग, एपीआरटी रोड टोंक को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध भी आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों से बरामद शराब के स्रोत और इसकी आपूर्ति से जुड़े नेटवर्क के बारे में गहन पूछताछ की जा रही है।

अवैध शराब के कारोबार में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जिले में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस का विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस कार्यवाही में सहायक उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, सहायक उपनिरीक्षक फैजुलाम, महिला कांस्टेबल अनीता, कांस्टेबल अजयराज सिंह, कांस्टेबल बृजविशाल, आरटी कांस्टेबल जीतराम तथा कांस्टेबल बलराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पशुपतिनाथ दर्शन का सपना सच, नेपाल के लिए पहली हवाई तीर्थ यात्रा रवाना

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026 के तहत हवाई यात्रा का सोमवार को भव्य आगाज हो गया। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने 43 वरिष्ठ नागरिकों के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल जयपुर के सिंधी कैंप स्थित होटल महादेव विला से बस द्वारा नई दिल्ली के लिए रवाना हुआ, जहां से वे हवाई जहाज से काठमांडू (नेपाल) पहुंचेंगे। सभी वरिष्ठ तीर्थयात्री काठमांडू में स्थित प्रसिद्ध बाबा पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करेंगे। पशुपतिनाथ जी के साथ-साथ काठमांडू के अन्य प्रमुख दर्शनीय धार्मिक स्थलों का भी भ्रमण कराया जाएगा। 3-स्टार होटल में ठहराव और सुरक्षा देवस्थान मंत्री कुमावत ने कहा कि हमारी सरकार का मुख्य ध्येय हमारे बुजुर्गों के जीवन को सुगम और भक्तिमय बनाना है। कुमावत ने बताया कि इस बार हवाई यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को उनके ठहराव के लिए 3 स्टार होटलों में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि काठमांडू में यात्रियों को अब 2 दिन ठहराया जाता है।

संस्कृत शिक्षा बदहाल: छह कमरों में चल रही 12 कक्षाएं, इमारत पर भी नहीं हो पा रहा है रंग रोगन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृत को बढ़ावा देने की बात कही जा रही है, लेकिन टोंक शहर का एकमात्र राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में संघर्ष कर रहा है। जिस विद्यालय से संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण की उम्मीद की जाती है, वहीं के छात्र छह कमरों में 12 कक्षाओं का संचालन, जर्जर भवन और अव्यवस्थित परिसर जैसी समस्याओं के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं। विद्यालय में कक्षा 1 से 12वीं तक अध्ययन कराया जाता है, लेकिन पूरे परिसर में केवल छह कक्ष उपलब्ध हैं। ऐसे में प्रत्येक कमरे में दो-दो कक्षाओं का संचालन करना पड़ रहा है।

एक ही कमरे में अलग-अलग कक्षाओं के विद्यार्थियों के बैठने से न केवल पढ़ाई का माहौल प्रभावित होता है, बल्कि शिक्षकों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण देना चुनौती बन जाता है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री बनवारी लाल बैरवा की 17वीं पुण्यतिथि 22 को मनाई जाएगी

टोंक। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ दलित नेता स्व. बनवारी लाल बैरवा की 17वीं पुण्यतिथि बुधवार, 22 जुलाई को टोंक में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई जाएगी।

इस अवसर पर प्रातः 9 बजे टोंक बस स्टैंड के सामने बमोर रोड स्थित बनवारी लाल बैरवा स्मारक स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित विचार संगोष्ठी में स्वर्गीय बैरवा के सामाजिक सरोकारों, राजनीतिक योगदान तथा जनसेवा के प्रति उनके समर्पण पर वक्ता अपने विचार व्यक्त करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान ने बताया कि पुण्यतिथि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

भीलवाड़ा जनअधिकार परिषद ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जनअधिकार परिषद द्वारा महात्मा गांधी चिकित्सालय के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में घोर लापरवाही के कारण हुई प्रसूताओं की असमय मृत्यु के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में परिषद ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जाँच कराने, जिम्मेदार डॉक्टरों व अधिकारियों के निलंबन और उनके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की पुरजोर मांग की है। परिषद के जिला संयोजक गौरव जीनगर ने बताया कि समाचार पत्रों एवं मीडिया माध्यमों से यह खौफनाक तथ्य सामने आया है कि म.गा. अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर की कल्चर टेस्ट रिपोर्ट में संक्रमण (पॉजिटिव) की पुष्टि होने के बावजूद वहाँ लगातार सिजेरियन ऑपरेशन किए जाते रहे। अस्पताल प्रशासन की इस आपराधिक लापरवाही और अव्यवस्था के कारण मात्र 6 दिनों के भीतर 5 प्रसूताओं की असमय दुःखद मृत्यु हो गई।

खनिज क्षेत्र में पारदर्शी और सरलीकृत व्यवस्था के तहत तुलाई कांटों का ऑटोमाइजेशन और व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्य में 1428 खनिज तुलाई कांटों को ऑटोमाइज्ड कर लाइव कर दिया गया हैं वहीं खनिज परिवहन में इस्तेमाल हो रहे 45462 वाहनों को व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम से जोड़ा जा चुका है। इससे खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, प्रकिया के सरलीकरण के साथ ही खनन क्षेत्र में राजस्व छीजत पर भी कारगर रोक लग सकेगी। खानलीजधारक आगे आकर तुलाई कांटों के ऑटोमाइजेशन और वीटीएस व्यवस्था से जुड़े। तुलाई कांटों पर रवन्ना जारी करने की पुरानी व्यवस्था जल्द ही निष्प्रभावी हो जाएगी और नई व्यवस्था के तहत ही रवन्ना जारी हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खनिज क्षेत्र में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के साथ ही खनन क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने पर जोर देते रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों व मार्गदर्शन में खनिज क्षेत्र में पारदर्शी और सरलीकृत व्यवस्था के तहत तुलाई कांटों का ऑटोमाइजेशन और व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम लागू किया जा रहा है। यह व्यवस्था लीजधारकों और विभाग दोनों के लिए ही लाभकारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में माइनिंग सेक्टर में राज्य के खानधारकों और राज्य सरकार दोनों के ही व्यापक हितों को देखते हुए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया गया है और समयबद्ध कार्यक्रम क्रियान्वयन व प्रभावी मोनेटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित किया गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि विभाग द्वारा खनन तुलाई में कार्यरत 1764 तुलाई कांटों में हार्डवेयर इंस्टाल कर 1428 तुलाई कांटों को लाइव कर दिया गया हैं।

टोक्यो, जापान में गूंजा 'रॉयल राजस्थान', टूरिज्म प्रमोशन रोड शो से जापानी पर्यटकों को दिया राजस्थान आने का न्यौता

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान को जापानी पर्यटकों के लिए भारत के सबसे आकर्षक पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में सोमवार को टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में रॉयल राजस्थानः सेलिब्रेटिंग इंडियाज हैरिटेज, कलचर एंड टूरिज्म विषय पर एक विशेष रोड शो आयोजित किया गया। भारतीय दूतावास, टोक्यो और राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जापान के पर्यटन उद्योग और यात्रियों के बीच राजस्थान के विविध पर्यटन उत्पादों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना तथा जापानी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करना था। कार्यक्रम की शुरुआत जापान में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक के स्वागत संबोधन से हुई। इसके बाद राजस्थान पर्यटन पर आधारित एक विशेष प्रमोशनल फिल्म प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी का विशेष वीडियो संदेश रहा, जिसमें उन्होंने जापान के नागरिकों को राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहरों, जीवंत संस्कृति, विश्व धरोहर स्थलों, वन्यजीव, आध्यात्मिक पर्यटन और शाही आतिथ्य का अनुभव लेने के लिए राजस्थान आने का आमंत्रण दिया। राजस्थान पर्यटन विभाग के उच्चाधिकारियों सहित राजस्थान ट्रेवल, ट्रेड एवं होटल इंडस्ट्री के स्टेकहोल्डर्स भी इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

रोड शो के दौरान राजस्थान पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी ने विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए जापानी ट्रैवल ट्रेड के समक्ष राजस्थान की पर्यटन संभावनाओं का व्यापक परिचय कराया।

आमजन की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को 'साइबर सुरक्षा अभियान' पोस्टर का विमोचन करते हुए कहा कि वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। तकनीक ने जहां जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, वहीं साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा साइबर अपराधियों के विरुद्ध राज्य सरकार सख्ती से कार्य कर रही है। इसके लिए प्रदेशभर में साइबर अपराधियों की पहचान, गिरफ्तारी और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नवाचारों के माध्यम से साइबर अपराधियों के विरुद्ध लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। साथ ही, साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं ऑपरेशन एंटीवायरस जैसे अभियानों के माध्यम से साइबर पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

हल्की बारिश में भक्ति का रंग : भरतपुर में श्रद्धा और उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। भरतपुर शहर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पूरी श्रद्धा, अटूट आस्था और अभूतपूर्व उत्साह के साथ निकाली गई। सावन की सुहावनी और हल्की बारिश के बीच निकली इस पावन यात्रा में जनसैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। चारों ओर गूंजते भगवान जगन्नाथ के गगनभेदी जयकारों से पूरा शहर भक्ति के अनूठे रंग में सराबोर हो उठा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान के रथ को खींचकर अपनी गहरी आस्था प्रकट की। भरतपुर में इस ऐतिहासिक रथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा ने भगवान की विशेष पूजा-अर्चना और आरती कर किया। इसके बाद यह भव्य यात्रा यातायात चौराहे से प्रारंभ होकर कुम्हेर गेट तक गरिमापूर्ण तरीके से निकाली गई। यात्रा के पूरे मार्ग में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के जयकारों की गूंज से पूरा वातावरण दिव्य और भक्तिमय बना रहा। रथ यात्रा के स्वागत में पूरे शहर ने पलक-पावड़े बिछा दिए। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों द्वारा भगवान जगन्नाथ पर भारी पुष्पवर्षा की गई और महाआरती उतारकर स्वागत किया गया। इस बीच हो रही हल्की बारिश ने श्रद्धालुओं के उत्साह को कम करने के बजाय यात्रा की भव्यता को और बढ़ा दिया। मौसम की परवाह किए बिना महिलाएं, पुरुष, युवा और नन्हे-मुन्ने बच्चे भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी (धार्मिक मान्यता के अनुसार जिसे थामना अत्यंत शुभ माना जाता है) को पकड़कर पूरे आनंद के साथ आगे बढ़ते रहे। इस पावन धार्मिक आयोजन में शहर के तमाम गणमान्य नागरिक, प्रबुद्ध जन, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। पूरे मार्ग पर उमड़े भक्तों के सैलाब में हर कोई भगवान जगन्नाथ के अलौकिक दर्शन पाकर स्वयं को धन्य महसूस कर रहा था। पूरी तरह से धार्मिक उल्लास, सौहार्द और बेहद शांतिपूर्ण वातावरण के बीच संपन्न हुई इस रथ यात्रा ने भरतपुर शहर में गहरी आस्था और सामाजिक एकता का एक बेहद सुंदर व सकारात्मक संदेश दिया है।

जन्मदिन पर परोपकार : पार्षद मंजू मीना ने बेटी के जन्मदिन पर लगाया वाटर कूलर, सांसद मुरारीलाल मीना ने किया उद्घाटन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों और अनूठी परंपराओं के लिए पहचाने जाने वाले एक पार्षद परिवार ने एक बार फिर समाज के सामने एक बेहतरीन मिसाल पेश की है। कांग्रेस प्रदेश सचिव, समाजसेवी एवं पार्षद मंजू सीताराम मीना ने अपनी पुत्री ओविया ब्याडवाल के जन्मदिन को यादगार बनाते हुए केएम वाटिका में आमजन की सुविधा के लिए एक आधुनिक वाटर कूलर स्थापित कराया है। इस जनोपयोगी सुविधा का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद मुरारीलाल मीना, विधायक दीनदयाल बैरवा, नांगल प्रधान दिनेश बारवाल तथा लवाण प्रधान बीना बैरवा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। वाटिका में आने वाले लोगों को मिलेगी राहत, सांसद के जन्मदिन पर हुआ पौधरोपणउद्घाटन के अवसर पर सांसद मुरारीलाल मीना ने ओविया को जन्मदिन की आत्मीय शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पार्षद परिवार के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस व्यस्त वाटिका में वाटर कूलर लगने से यहाँ आने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी में ठंडे और स्वच्छ पेयजल की उत्तम सुविधा मिल सकेगी। इस कार्यक्रम में एक और खास संयोग देखने को मिला। आयोजन के दौरान सांसद मुरारीलाल मीना के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में उपस्थित अतिथियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया, जिसके जरिए आमजन को पर्यावरण संरक्षण का एक मजबूत संदेश दिया गया। दौसा का यह पार्षद परिवार हर साल अपनी बेटियों के जन्मदिन पर किसी बड़ी पार्टी या फिजूलखर्ची के बजाय सार्वजनिक स्थलों पर जनोपयोगी कार्य करने के लिए जाना जाता है। इसी सेवाभावी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी यह वाटर कूलर लगवाया गया है। इससे पहले भी इस परिवार द्वारा शहर के विभिन्न सार्वजनिक और व्यस्त स्थानों पर आम जनता के लिए वाटर कूलर स्थापित किए जा चुके हैं।

साहित्यिक समागम : देवीप्रसाद गौड़ की पुस्तक स्मृतियों की चित्रशाला का भव्य लोकार्पण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले की 'अनुराग सेवा संस्थान लालसोट' के तत्वावधान में रविवार को मथुरा के होटल कौशिक प्लाजा में एक भव्य साहित्यिक समारोह आयोजित किया गया।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में मथुरा के वरिष्ठ साहित्यकार देवीप्रसाद गौड़ के संस्मरणात्मक रेखाचित्र संग्रह "स्मृतियों की चित्रशाला" का भव्य लोकार्पण हुआ। समारोह के बाद आयोजित हुई शानदार काव्य गोष्ठी ने उपस्थित जनसमूह को साहित्यिक रस से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और सांसद प्रतिनिधि डॉ. जनार्दन शर्मा ने कृति का विमोचन करते हुए कहा, "स्मृतियां समाज की अमूल्य धरोहर होती हैं। ऐसी कृतियां नई पीढ़ी को हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। श्री गौड़ का यह संग्रह साहित्य जगत के लिए एक अनमोल उपहार है।" कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डॉ. रमाशंकर पांडे ने पुस्तक की भाषा और संवेदनात्मक शैली की सराहना करते हुए कहा कि संस्मरण केवल घटनाओं का विवरण नहीं, बल्कि समय, समाज और व्यक्तित्व का जीवंत दस्तावेज होते हैं।

मनोरंजन समाचार

'आप सरकार के आर्म ट्विस्ट नहीं कर सकते', NEET पेपर लीक और राम मंदिर चंदा घोटाले को लेकर CJP पर बरसीं कंगना रनौत

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत होते ही विपक्षी दलों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं और अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में दान किए गए चंदे में कथित गबन के मामलों को लेकर जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही की शुरुआत में छह पूर्व सांसदों को श्रद्धांजलि दी और उसके बाद हंगामा कर रहे सांसदों से शांत रहने की अपील की। अध्यक्ष ने बार-बार सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने और सदन चलाने में सहयोग करने का आग्रह किया, लेकिन शोर-शराबा थमता न देख उन्होंने सदन की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी नेताओं ने पहले ही साफ कर दिया था कि वे इन दोनों संवेदनशील मुद्दों पर संसद में तुरंत चर्चा की मांग पर अड़े रहेंगे। संसद के भीतर और बाहर जारी इस घमासान के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने विपक्षी दलों के विरोध-प्रदर्शन पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने विपक्ष के तौर-तरीकों की आलोचना करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को इस तरह से झुकाया नहीं जा सकता। कंगना ने साफ शब्दों में कहा कि विपक्ष सरकार को इस बात के लिए मजबूर या ब्लैकमेल नहीं कर सकता कि किसे पद पर बनाए रखना है और किसे हटाना है। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुनी गई सरकार के पास यह तय करने का पूरा अधिकार है कि शासन व्यवस्था कैसे चलाई जाए। विपक्ष की मांग पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने आगे कहा कि अगर उन्हें सरकार चलाने का इतना ही शौक है, तो उन्हें खुद चुनाव लड़कर सत्ता में आना चाहिए।

गौरतलब है कि विपक्ष नीट परीक्षा विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ा हुआ है, जिसके विरोध में विपक्षी गठबंधन की ओर से लगातार प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी गतिरोध पर बोलते हुए कंगना रनौत ने कहा कि संसद देश और जनता से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा और बहस करने का सबसे सही मंच है। संसदीय सत्र का मुख्य उद्देश्य ही यही होता है कि विपक्ष जनहित के सवाल उठाए और सरकार को हर विषय पर जवाबदेह बनाए। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष भी यही चाहता है कि सत्र सुचारू रूप से चले और विपक्ष अपने सभी सवाल सदन के भीतर उठाए। लेकिन चर्चा करने के बजाय संसद परिसर और सदन के भीतर हंगामा खड़ा करना और अराजकता का माहौल बनाना किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। मानसून सत्र के पहले दिन की शुरुआत ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक और गतिरोध के साथ हुई। एक तरफ जहां कांग्रेस और सहयोगी दल नीट परीक्षा के आयोजन में हुई धांधली और राम मंदिर के नाम पर हुए कथित चंदा घोटाले के आरोपों को लेकर सरकार को पूरी तरह घेरने की रणनीति बना चुके हैं, वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के सांसद और मंत्री विपक्ष के इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताकर पलटवार कर रहे हैं।

लॉर्ड्स में IND vs ENG मैच देखने पहुंचे अक्षय कुमार, एक्टर के व्हाइट बीयर्ड लुक ने बटोरी सुर्खियां

लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे मैच खेला गया, जहां कई स्टार्स खेल का मजा लेते नजर आए। स्टैंड्स से इन सभी स्टार्स की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। सैफ अली खान को अपने बेटे तैमूर अली खान के साथ देखा गया, जिसके बाद से लोग पिता-बेटे की बॉन्ड की खूब सराहना कर रहे हैं। इस दौरान अक्षय कुमार भी वहां मौजूद थे, जिनके व्हाइट बीयर्ड लुक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। अब खिलाड़ी कुमार अपने लुक को लेकर जबरदस्त चर्चा में बने हुए हैं। मैच के दौरान उनका पूरा ध्यान खेल पर ही बना रहा। अक्षय कुमार के सफेद दाढ़ी लुक ने बटोरी सुर्खियां

मैच के लिए अक्षय कुमार ने सफेद शर्ट पहनी थी। हालांकि, इस बार एक्टर का आउटफिट नहीं, बल्कि उनका व्हाइट बीयर्ड लुक लाइमलाइट में रहा है। सोशल मीडिया पर अक्षय की कई तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें उनका नया अंदाज सभी को पसंद आ रहा है। उन्हें स्टैंड्स में बैठकर भारत का हौसला बढ़ाते हुए देखा गया। एक्टर ने अपने इस लुक को काले चश्मे के साथ पूरा किया। इस मैच से एक और तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें साहिबा बाली एक्टर अर्जुन कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। वेन्यू से कई वीडियो सामने आए, जिनमें दोनों परिवार एक साथ मैच देखते हुए दिखाई दिए।

TRP बढ़ाने के लिए मेकर्स का बड़ा फैसला, 7 साल बाद 'उड़ने की आशा' की बदल जाएगी पूरी कहानी

स्टार प्लस का लोकप्रिय शो 'उड़ने की आशा' लंबे समय से अपनी कहानी और कास्ट के चलते चर्चा में है। अब टीआरपी में बने रहने के लिए मेकर्स नया गेम खेलने वाले हैं और कहानी 7 साल आगे बढ़ने वाली है। मेकर्स अब सीरियल की कहानी में एक भावनात्मक मोड़ लेकर आ रहा है। सचिन और सायली की जिंदगी सात साल आगे बढ़ चुकी है। समय भले ही आगे निकल गया हो, लेकिन किस्मत ने उनके हिस्से के दुख-सुख संभालकर रखे हुए हैं। 'अनुपमा', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' और 'क्योंकि एक सास भी कभी बहू थी 2' के बाद अब इस शो में लीप के बाद नया ड्रामा देखने को मिलेगा। अपकमिंग एपिसोड में दर्शकों को देखने को मिलेगा कि अपने बेटे के जिंदा होने और उनसे दूर पल-बढ़ रहे होने से अनजान सचिन और सायली अपनी बेटी पूर्णा के साथ नई जिंदगी शुरू करते हैं। दोनों उस दर्द के साथ जी रहे हैं, जिसे वे अपनी कभी न भरने वाली कमी मान चुके हैं। 7 साल के लीप के बाद आने वाले एपिसोड्स में दर्शकों को प्यार, उम्मीद और दुख-सुख से भरा एक इमोशनल सफर देखने को मिलेगा। इस नए अध्याय के साथ कंवर ढिल्लों भी एक नए लुक में दिखाई देंगे। अपने किरदार के लिए उन्होंने ढाई साल बाद पहली बार अपने बाल कटवाए हैं। 'उड़ने की आशा' अपनी इमोशनल कहानी से दर्शकों को बांधे हुए है। हाल के एपिसोड्स ने फैंस का दिल जीत लिया है। वे सचिन और सायली की कहानी में आए नए मोड़ और इमोशनल गहराई को पसंद कर रहे हैं। रोशनी की साजिश ने जब उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी तब से सचिन और सायली देशमुख परिवार से अलग रह रहे हैं। अपने बच्चे को खोने के दुख से उबरते हुए, इस कपल ने धीरे-धीरे अपनी एक छोटी लेकिन सुकून भरी जिंदगी बना ली है। उनकी खुशी की सबसे बड़ी वजह पंखुड़ी है, जिसकी वे बहुत प्यार और देखभाल से परवरिश कर रहे हैं। उसने उनकी जिंदगी में खुशियां भरी हैं और दुख के बावजूद उन्हें आगे बढ़ने में मदद की है। सचिन की तरह ही वह भी अन्याय बर्दाश्त नहीं करती और अपने हक के लिए आवाज उठाने से कभी नहीं डरती।

निक जोनस ने शेयर की प्रपोजल की यादगार तस्वीर, रिंग फ्लॉन्ट करती दिखीं प्रियंका चोपड़ा

निक जोनस ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए उस खास पल को याद किया, जब उन्होंने आठ साल पहले अपनी लेडी लव प्रियंका चोपड़ा जोनस को प्रपोज किया था। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर निक ने प्रपोजल वाली रात की एक बेहद प्यारी थ्रोबैक सेल्फी शेयर की। निक की इंस्टा स्टोरी रिशेयर कर बॉलीवुड की देसी गर्ल ने बहुत ही प्यारा जवाब दिया। इस थ्रोबैक प्रपोजल फोटो में आप एक्ट्रेस को रिंग फ्लॉन्ट करते देख सकते हैं। यह पहली बार नहीं है, जब निक और प्रियंका ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए खुलकर अपना प्यार जाहिर किया हो। यही वजह है कि दोनों हमेशा अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। निक जोनस ने 19 जुलाई 2018 को प्रियंका चोपड़ा को प्रपोज किया था।

23 दमदार सितारों से सजी 'रामायण' की टोली, रणबीर कपूर और यश के अलावा भी एक से बढ़कर एक कलाकार

नई दिल्ली में 18 जुलाई को फिल्म मेकर नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' का भव्य ट्रेलर लॉन्च किया गया, जिसके बाद से इस पौराणिक महाकाव्य को लेकर दर्शकों की उत्सुकता सातवें आसमान पर पहुंच गई है। फिलहाल ये ट्रेलर यूट्यूब पर आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया है, लेकिन इससे पहले ही इसकी फुटेज लीक हो गई।

इन चर्चाओं के दूसरी तरफ फिल्म की विशाल और दिग्गज स्टार कास्ट ने भी हर किसी का ध्यान खींचा है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब मुख्य कलाकारों के नामों से पर्दा उठा तो फैंस को भारतीय पौराणिक इतिहास के सबसे प्रतिष्ठित किरदारों की एक झलक देखने को मिली। अगर आप भी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि नितेश तिवारी के इस प्रोजेक्ट में कौन सा कलाकार किस भूमिका में नजर आने वाला है तो यहां फिल्म की पूरी स्टार कास्ट और उनके किरदारों की विस्तृत जानकारी दी गई है।

रणबीर कपूर - भगवान श्रीराम

अपनी बेहतरीन अदाकारी और बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर अभिनेता रणबीर कपूर इस महाकाव्य में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अयोध्या के राजा दशरथ के सबसे बड़े पुत्र राम को सदाचार, कर्तव्यपरायणता और करुणा का प्रतीक माना जाता है। ट्रेलर में रणबीर कपूर की शांत और दिव्य मौजूदगी ने फैंस को बेहद प्रभावित किया है और दर्शक उन्हें बड़े पर्दे पर इस महान नायक के रूप में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

साई पल्लवी - माता सीता

साल 2015 में मलयालम की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'प्रेमम' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री साई पल्लवी इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में अपनी धाक जमाने के लिए तैयार हैं। वे फिल्म में माता सीता का बेहद पावन और प्रतिष्ठित किरदार निभा रही हैं, जो अपनी गरिमा, सहनशीलता और अटूट आंतरिक शक्ति के लिए पूजनीय हैं। अपनी सहज और भावुक अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली साई पल्लवी इस किरदार के लिए बिल्कुल उपयुक्त नजर आ रही हैं, और उनका स्क्रीन प्रेजेंस इस फिल्म का एक बड़ा आकर्षण होने वाला है।

यश - रावण

'केजीएफ' से देश भर में 'रॉकी भाई' के नाम से मशहूर हुए कन्नड़ सुपरस्टार यश इस फिल्म में लंकापति रावण का बेहद दमदार और विशाल किरदार निभा रहे हैं। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेजेंस और कड़क आवाज के लिए जाने जाने वाले यश का यह रूप पारंपरिक विलेन से हटकर रावण की बुद्धिमत्ता, अहंकार और भव्यता को नए आयाम देगा, जिसने सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी है।

हरीश उथमन - विभीषण

साउथ सिनेमा के बेहतरीन अभिनेता हरीश उथमन लंकापति रावण के छोटे भाई विभीषण के किरदार में नजर आएंगे, जो अपनी शांतिप्रिय प्रकृति, नीतिशास्त्र के ज्ञान और सच्चाई का साथ देने के लिए जाने जाते हैं। हरीश अपनी सधी हुई अदाकारी से विभीषण के आंतरिक द्वंद्व को पर्दे पर उतारेंगे।

रवि दुबे - लक्ष्मण

मशहूर अभिनेता रवि दुबे के करियर के लिए यह फिल्म एक बहुत बड़ा मील का पत्थर साबित हो सकती है, क्योंकि वे इसमें भगवान राम के परम अनुज लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे।

कौन हैं ऑक्सफोर्ड से पढ़ाई करने वाली साहिबा बाली? अर्जुन कपूर संग डेटिंग की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर और अभिनेत्री साहिबा बाली को एक साथ स्टैंड्स में मैच का लुत्फ उठाते हुए देखा गया। रविवार को हुए इस मुकाबले से दोनों की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं, जिसमें वे एक-दूसरे के बगल में बैठकर मैच देखते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के सामने आते ही इंटरनेट पर दोनों की डेटिंग की अफवाहें उड़ने लगीं और कई सोशल मीडिया यूजर्स यह कयास लगाने लगे कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इस चर्चा के बीच कई लोग इंटरनेट पर यह भी सर्च करने लगे कि आखिर अर्जुन कपूर के साथ दिख रहीं साहिबा बाली कौन हैं। 5 दिसंबर 1994 को एक कश्मीरी परिवार में जन्मी साहिबा बाली ने अपनी शुरुआती पढ़ाई के बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स में डिग्री हासिल की। इसके बाद वे उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन चली गईं, जहां उन्होंने मशहूर ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से बिजनेस का कोर्स किया और लंदन से मार्केटिंग की पढ़ाई पूरी की। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले साहिबा ने कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया। वे प्रसिद्ध फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो में बतौर मार्केटिंग एसोसिएट शामिल हुई थीं और अपनी काबिलियत के दम पर जल्द ही ब्रांड मैनेजर के पद तक पहुंच गईं।

MS Dhoni की लाडली जीवा संग मस्ती में लगीं कृति सेनन, भारत-इंग्लैंड मैच के दौरान क्यूट बॉन्डिंग ने लूटी लाइमलाइट

लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन और पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बेटी जीवा धोनी के बीच एक बेहद खूबसूरत पल देखने को मिला। इस मैच के दौरान स्टैंड्स से कृति और जीवा की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। इन क्लिपों में 35 वर्षीय अभिनेत्री और 11 साल की जीवा मैच का लुत्फ उठाते हुए आपस में हंसकर बातें करती और एक-दूसरे के साथ खुशनुमा वक्त बिताती नजर आ रही हैं।

फैंस को दोनों के बीच की यह सहज बॉन्डिंग बेहद पसंद आ रही है, जिसके चलते मैच के साथ-साथ इन दोनों की बातचीत भी इंटरनेट पर चर्चा का मुख्य विषय बन गई है। स्टेडियम के स्टैंड्स में जब कृति और जीवा एक-दूसरे के साथ बातचीत में मशगूल थीं, तब उनका लुक भी काफी चर्चा में रहा। कृति सेनन इस दौरान ऑल-ब्लैक आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जबकि जीवा धोनी पैंट-सूट पहने हुए एक ग्रेसफुल अंदाज में नजर आईं। बता दें कि जीवा, महेंद्र सिंह धोनी और साक्षी धोनी की बेटी हैं और वे देश के सबसे लोकप्रिय स्टार किड्स में से एक हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार और सैफ अली खान भी इस मैच का आनंद लेने पहुंचे थे।

सार समाचार

ईरान की आर्थिक हालत खराब है, सरकार हिज्बुल्लाह के ऊपर खर्च कर रही पैसे: मार्को रुबियो

वाशिंगटन। अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। दोनों देशों के बीच जारी इस सैन्य टकराव में अब तक तीन अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है। अमेरिकी सरकार ने इन ताजा हमलों को हाल ही में मारे गए अपने तीन सैनिकों को श्रद्धांजलि बताया है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दावा किया कि वैश्विक प्रतिबंधों के कारण ईरान की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। मार्को रुबियो ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, "ईरान की अर्थव्यवस्था खराब हालत में है। वहां 300 फीसदी महंगाई है, खासकर जिंदगी के लिए जरूरी चीजों पर। वहां खाने की कमी है। वहां सूखा है, जो हमने नहीं डाला। वहां गैसोलीन और फ्यूल की कमी है। वे लोगों को सैलरी तक नहीं दे पा रहे हैं।" रुबियो ने कहा कि ये सारी समस्या इन सबके (हमलों के) शुरू होने से पहले से थीं। अब ये और खराब हो गई हैं। ये और खराब होती जाएंगी। ईरान की इस स्थिति का एक कारण यह है कि वहां की सरकार को जो भी पैसा मिलता है, चाहे वह बैन में राहत के जरिए हो या तेल के जरिए जो वे निकाल पाते हैं, वे उसे हिज्बुल्लाह में निवेश करते हैं। वे उसे हमास में निवेश करते हैं। वे इराक, हिज्बुल्लाह और हमास में मिलिशिया को समर्थन करने में अरबों डॉलर खर्च करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने देश को बनाने में लाखों डॉलर खर्च करने चाहिए। लेकिन इसके बजाय, वे इसे आतंकवाद के बक्से में बंद कर रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि ईरान के अंदर इस बारे में जागरूकता बढ़ रही है। उनकी सरकार में कुछ लोगों के बीच भी इस बारे में जागरूकता बढ़ रही है। असल में, हमने उनकी सरकार के कुछ लोगों से यह सुना है। लेकिन जाहिर है, यहां एक तनाव है।

अमेरिका से जंग तब रुकेगी, जब लड़ाई में हमारी बढ़त होगी: ईरान के विदेश मंत्री अराघची

तेहरान। अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान के कई ठिकानों पर बमबारी की, वहीं ईरान भी खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है। बढ़ती तल्खी के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका के साथ युद्ध तब तक नहीं रुकेगा, जब तक हमें लड़ाई में मजबूत बढ़त नहीं मिल जाती। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा, "बातचीत भी तभी होनी चाहिए, जब ईरान ऐसी स्थिति में हो जहां उसे लगे कि हालात उसके पक्ष में हैं।" अराघची ने कहा कि किसी भी युद्ध का अंत दो तरह से होता है। पहला, जब किसी एक पक्ष को सैन्य जीत मिल जाए। दूसरा, जब दोनों पक्ष बातचीत करके समझौते पर पहुंचें।

जलवायु संकट और बढ़ते संघर्ष से विश्व धरोहरों पर मंडरा रहा खतरा: यूनेस्को

बुसान। यूनेस्को ने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते संघर्ष के बीच वैश्विक धरोहरों पर मंडराते खतरे का उल्लेख किया। शीर्ष अधिकारियों ने सोमवार को जलवायु परिवर्तन और सशस्त्र संघर्षों से विश्व की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को लेकर 'वैश्विक जागरूकता' और सामूहिक स्तर पर निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान में आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी (विश्व धरोहर समिति) के 48वें सत्र के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में यूनेस्को के संस्कृति मामलों के सहायक महानिदेशक नायेफ अल-फायेज ने कहा कि विश्व धरोहर स्थलों का लगातार हो रहा विनाश पूरी वैश्विक समुदाय पर मिलकर समाधान खोजने की बड़ी जिम्मेदारी डालता है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं या संघर्षों के बाद मरम्मत करने के बजाय पहले से रोकथाम के उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, भौतिक क्षति की भरपाई कई बार संभव होती है, लेकिन प्रभावित समाजों को होने वाली मानसिक और सांस्कृतिक क्षति की भरपाई करना बेहद कठिन होता है। उन्होंने कहा, "इस जिम्मेदारी को निभाना केवल सरकारों का काम नहीं है। इन स्थलों पर रहने वाले लोगों, वहां काम करने वालों और उन्हें देखने आने वाले पर्यटकों की भी समान जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इन अमूल्य धरोहरों का सही तरीके से संरक्षण और रखरखाव हो।" यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र के निदेशक लाजारे एलाउंडू असोमो ने भी इस चिंता को दोहराते हुए कहा कि वैश्विक धरोहरें इस समय "अभूतपूर्व दबाव" का सामना कर रही हैं।

ईरान का दावा,'जॉर्डन-कुवैत में अमेरिकी सैन्य परिसरों को बनाया निशाना'

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने सोमवार को दावा किया कि उसकी सेनाओं ने अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए जॉर्डन और कुवैत में अमेरिकी ठिकानों और केंद्रों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक समाचार माध्यम सेपाह न्यूज पर जारी बयानों में कहा कि उसकी सेनाओं ने जॉर्डन के बंदरगाह शहर अकाबा स्थित एक हवाई अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। संगठन के अनुसार, इस हमले में अमेरिकी बोइंग सी-17 ग्लोबमास्टर III और बोइंग पी-8 पोसीडॉन विमानों को निशाना बनाया गया और उन्हें भारी नुकसान पहुंचा। आईआरजीसी ने यह भी दावा किया कि उसकी सेनाओं ने ड्रोन हमले के जरिए कुवैत में एक अमेरिकी प्रारंभिक चेतावनी रडार प्रणाली को नष्ट कर दिया।

इसके अलावा, कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस पर उपकरणों और विमान के पुर्जों वाले एक गोदाम के साथ ही एमक्यू-9 रीपर ड्रोन के हैंगर को निशाना बनाया गया, जिसमें कई मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) में आग लग गई। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि ये हमले ईरानी क्षेत्र के खिलाफ अमेरिका की लगातार "आक्रामक कार्रवाइयों" के जवाब में किए गए हैं।

वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोमवार तड़के सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि उसकी सेनाओं ने ईरान के खिलाफ लगातार नौवीं रात हमले सफलतापूर्वक पूरे किए हैं।

सेंटकॉम ने बताया कि उसके अभियानों में ईरानी सैन्य कमान केंद्रों, वायु रक्षा और तटीय निगरानी ठिकानों, समुद्री क्षमताओं, मिसाइल और ड्रोन लॉन्च साइटों तथा संचार नेटवर्क को निशाना बनाया गया। इसके अनुसार, इन कार्रवाइयों का उद्देश्य ईरान की वाणिज्यिक जहाजों और होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले नागरिक नाविकों पर हमले की क्षमता को कम करना है। उसने यह भी कहा कि विमान उपकरण, स्पेयर पार्ट्स और ड्रोन हैंगर वाले गोदाम पर अलग हमले में कई ड्रोन में आग लग गई थी।

पीएम स्टार्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट से दिया विदाई भाषण, बोले- मैं मुस्कान के साथ जा रहा

लंदन। ब्रिटेन को सोमवार को नया पीएम एंडी बर्नहैम के तौर पर मिल रहा है। इससे पहले कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास और कार्यालय '10 डाउनिंग स्ट्रीट' पर समर्थकों के समक्ष अपना आखिरी भाषण दिया।

उन्होंने इसकी शुरुआत थैंक्यू से की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि वह राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात कर प्रधानमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल अब समाप्त हो गया है।

स्टार्मर ने कहा, "मैं किंग से मिलने जा रहा हूं ताकि अपना इस्तीफा सौंप सकूं और प्रधानमंत्री के रूप में अपने समय का अध्याय बंद कर सकूं। मेरा काम पूरा हो गया है।"

उन्होंने कहा कि साढ़े छह वर्षों में उन्होंने लेबर पार्टी को 2019 की ऐतिहासिक हार के बाद पूरी तरह बदला, उसे देश का सामना करने के लिए तैयार किया और 2024 के आम चुनाव में भारी जीत दिलाई।

स्टार्मर ने कहा, "प्रधानमंत्री के रूप में इस महान देश और आप सभी की सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मुझे विश्वास है कि ब्रिटेन अब दो साल पहले की तुलना में अधिक मजबूत और निष्पक्ष है।"

उन्होंने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पहले से मजबूत हुई है और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार हुआ है।

उनके अनुसार, प्रतीक्षा अवधि (वेटिंग टाइम) में 17 वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। स्टार्मर ने यह भी कहा कि हर दिन बच्चों को गरीबी से बाहर निकालने के प्रयास हो रहे हैं, आव्रजन (इमिग्रेशन) में उल्लेखनीय कमी आई है और ब्रिटेन की रक्षा व सुरक्षा व्यवस्था पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है।

ईरान युद्ध से होर्मुज-स्वेज के रास्ते होने वाला व्यापार खतरे में, हूतियों का इस्तेमाल कर बढ़ा सकता है युद्ध का दायरा

वाशिंगटन। ट्रंप सरकार ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाला तेल परिवहन युद्ध से पहले के स्तर के करीब दो-तिहाई तक वापस पहुंच गया है। हालांकि, इस बीच नाटो के एक पूर्व कमांडर ने चेतावनी दी कि ईरान स्वेज नहर को निशाना बनाकर दोनों देशों के बीच संघर्ष का दायरा और बढ़ा सकता है। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने उन दावों को खारिज किया कि हालिया अमेरिकी हवाई हमलों और ईरानी जवाबी कार्रवाई के कारण होर्मुज स्ट्रेट से तेल का आवागमन लगभग ठप हो गया है। एबीसी न्यूज के कार्यक्रम 'दिस वीक' में क्रिस राइट ने कहा, "फिलहाल पिछले सात दिनों का औसत देखें तो स्ट्रेट से प्रतिदिन लगभग 70 लाख बैरल तेल का परिवहन हो रहा है। इसके अलावा, बाईपास पाइपलाइनों के जरिए भी प्रतिदिन लगभग 70 लाख बैरल अतिरिक्त तेल की आपूर्ति जारी है।" उन्होंने कहा, "हम अरब की खाड़ी इलाके से हर दिन 14 मिलियन बैरल से थोड़ा कम तेल ले रहे हैं। यह लड़ाई से पहले के ट्रैफिक का दो-तिहाई है, जो मार्च की तुलना में काफी ज्यादा है।" क्रिस राइट ने माना कि ट्रैफिक अभी सामान्य नहीं हुआ है। लेकिन उन्होंने कहा कि पब्लिक में मौजूद आंकड़े इस इलाके से गुजरने वाले सभी तेल टैंकर वाले जहाजों को नहीं दिखाते हैं। उन्होंने कहा, "जहाजों की संख्या में बहुत ज्यादा कमी आई है। जाहिर है हम अब दुनिया के बाजारों में ज्यादा से ज्यादा सप्लाई बनाए रखने के लिए बड़े टैंकर भेज रहे हैं।" यह टिप्पणी जॉर्डन में एक अमेरिकी बेस पर ईरानी हमले में दो अमेरिकी सेवा सदस्यों के मारे जाने के बाद आई। एक और सेवा सदस्य लापता है। अमेरिकी सेना ने ईरान पर नए हमले करके अपने सैनिकों की मौत का जवाब दिया।

राइट ने कहा कि वाशिंगटन स्ट्रेट से ट्रैफिक की सुरक्षा करता रहेगा, चाहे तेहरान का सहयोग हो या न हो। खतरा होर्मुज से आगे भी बढ़ सकता है। नाटो के पूर्व सुप्रीम एलाइड कमांडर, रिटायर्ड एडमिरल जेम्स स्टैवरिडिस ने चेतावनी दी है कि ईरान स्वेज नहर को निशाना बनाकर का दायरा बढ़ाने के लिए हूतियों का इस्तेमाल कर सकता है।

नॉर्वे में 100 साल की सबसे भीषण आग: सैकड़ों घर खाक, 400 लोग बेघर

ओस्लो। नॉर्वे के ड्रामेन शहर के पास एक कस्बे में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारियों ने इसे "100 वर्षों में लगी सबसे बड़ी आग" बताया है। सोमवार को भी आग पूरी तरह बुझ नहीं पाई थी और धुआं उठ रहा था। क्रोकस्टाडेल्वा इलाके में सप्ताहांत के दौरान करीब 100 घर पूरी तरह नष्ट हो गए, जबकि लगभग 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इस आग में स्थानीय फायर चीफ टोरगेर एंडरसन का घर भी जलकर खाक हो गया। रविवार को स्थानीय अखबार ड्रामेंस टिडेंडे से बातचीत में पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में आग लगने की वजह या तो कोई दुर्घटना हो सकती है या फिर किसी स्थान पर अपने आप आग लगना (स्पॉन्टेनियस कम्बशन) हो सकता है।

पुलिस के अनुसार, आग शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे क्रोकस्टाडेल्वा के एक रो-हाउस परिसर में शुरू हुई थी।

पुलिस को इसकी पहली सूचना दोपहर 3:39 बजे मिली। आग इतनी तेजी से फैली कि रात 9 बजे तक 100 से अधिक घर क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हो चुके थे। नॉर्वे के दक्षिण-पूर्वी पुलिस जिले के संचालन प्रबंधक स्टॉले फुगलास ने कहा कि आग बुझाने का अभियान करीब 10 दिन और चलने की संभावना है।

उन्होंने कहा, "यह इलाके में एक लंबे समय तक चलने वाला अभियान है। इससे पता चलता है कि वहां कितनी गर्मी बनी हुई है।" उन्होंने बताया कि पीड़ितों को अपने सामानों को निकालने में मदद पहुंचाई जाएगी जिन्हें अभी तक बाहर नहीं लाया जा सका है।

जॉर्डन, कुवैत, बहरीन ने ईरान के नए हमलों की दी जानकारी, तनाव कम करने की उठाई मांग

काहिरा। ईरान ने जॉर्डन, कुवैत और बहरीन पर नए हमले किए हैं। अमेरिका-ईरान के बीच फिर से शुरू हुए इस हमले की वजह से पूरे मिडिल ईस्ट में फिर से तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। तीनों देश तनाव कम करने की मांग कर रहे हैं। सरकारी ब्रॉडकास्टर जॉर्डन रेडियो एंड टेलीविजन कॉर्पोरेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जॉर्डन के एयर डिफेंस ने ईरान से इलाके की ओर लॉन्च की गई तीन मिसाइलों को रोक लिया, जबकि चौथी मिसाइल दक्षिणी जॉर्डन के एक दूर-दराज के इलाके में गिरी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत या सामान का नुकसान नहीं हुआ। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया कि मिसाइलें दक्षिणी जॉर्डन के तटीय शहर अकाबा में तैनात अमेरिकी मिलिट्री एयरक्राफ्ट को निशाना बनाकर दागी गईं, जो सीधे इजरायली शहर इलियट से सटा हुआ है।

घटना के बाद, इजरायल के चैनल 13 न्यूज ने बताया कि मिसाइल के जॉर्डन की ओर लॉन्च होने के बाद, अमेरिकी सेना ने इलियट से लगभग 18 किलोमीटर उत्तर में दक्षिणी इजरायल के रेमन एयरपोर्ट से रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट को हटा दिया।

इजरायल के सरकारी कान टीवी न्यूज ने कहा कि इस घटना के बाद एयरपोर्ट पर कमर्शियल पैसेंजर फ्लाइट्स की उड़ान में देरी हुई।

इससे पहले, अम्मान में अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी किया था जिसमें कहा गया था कि अकाबा के एयरपोर्ट और सीपोर्ट को खतरे की वजह से खाली करा दिया गया है और अमेरिकियों से अगली सूचना तक उन जगहों से दूर रहने को कहा गया है।

बाद में जॉर्डन के अधिकारियों ने दूतावास के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि दोनों फैसिलिटी सामान्य तरीके से काम कर रही थीं।

रविवार को ही, कुवैत की आर्म्ड फोर्स ने कहा कि एयर डिफेंस ने देश के ऊपर दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन को रोक दिया, जबकि एक और हमला एक पावर जनरेशन और वॉटर डीसैलिनेशन फैसिलिटी पर हुआ। इससे आग लग गई और बहुत नुकसान हुआ। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में, कुवैती आर्मी ने कहा कि सुबह से ही आने वाली मिसाइलों और ड्रोन का पता लगाया गया था और उन पर हमला किया गया था। इसमें यह नहीं बताया गया कि कितने प्रोजेक्टाइल शामिल थे। सेना ने ईरान पर सिविलियन और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि बिजली, पानी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा चलाई जाने वाली जगहों पर हमला हुआ है।

राष्ट्रपति मुर्मु ऐतिहासिक यात्रा पर पहुंचीं मोल्दोवा, उपप्रधानमंत्री पोपसोई ने किया स्वागत

चिसीनाउ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार को मोल्दोवा, नॉर्थ मेसेडोनिया और रोमानिया के अपने दौरे के पहले पड़ाव पर चिसीनाउ पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा था। मोल्दोवा के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मिहाई पोपसोई ने चिसीनाउ अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मोल्दोवा, नॉर्थ मेसेडोनिया और रोमानिया के अपने स्टेट विजिट के पहले लेग में चिसीनाउ, मोल्दोवा पहुंचीं। चिसीनाउ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचने पर, रिपब्लिक ऑफ मोल्दोवा के उपप्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री मिहाई पोपसोई ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा है।"

राष्ट्रपति मुर्मु, राष्ट्रपति मैया सैंडू के बुलावे पर मोल्दोवा के सरकारी दौरे पर पहुंचे। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा है।

अपने दौरे के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मु राष्ट्रपति सैंडू से बातचीत करेंगी। वह मोल्दोवा पार्लियामेंट के प्रेसिडेंट इगोर ग्रोसु से मिलेंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह मोल्दोवा-इंडिया पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप के सदस्यों से भी बातचीत करेंगी। इसके अलावा, वह एक बिजनेस फोरम और भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करेंगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "भारत और मोल्दोवा के बीच अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। यह दौरा एक अहम और ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा और दोनों देशों के संबंधों को एक बड़ी साझेदारी तक ले जाएगा।

होर्मुज से गुजर रहे जहाज पर हमला: लगी आग, चालक दल सुरक्षित

लंदन। ब्रिटिश नौसैनिक एजेंसी 'यूके यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स' (यूकेएमटीओ) ने होर्मुज से गुजर रहे जहाज पर हमले की जानकारी दी है। एजेंसी के मुताबिक, जहाज पर एक प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया था। आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एजेंसी ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे एक जहाज में आग लग गई। हालांकि, जहाज पर सवार सभी चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। ब्रिटिश नौसैनिक एजेंसी ने बताया, "चालक दल ने सुरक्षित रूप से जहाज छोड़ दिया और उन्हें एक टग बोट (खींचने वाले जहाज) ने सुरक्षित बचा लिया। यह हमला ओमान के कुमजार से 8 समुद्री मील (लगभग 15 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम में हुआ।" संस्था ने अपने बयान में कहा, "आग अभी तक बुझाई नहीं जा सकी है और जहाज फिलहाल समुद्र में बह रहा है।" यूकेएमटीओ ने सभी जहाजों को सतर्कता के साथ यात्रा करने की सलाह दी है और कहा है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी जांच अधिकारियों को दी जाए। होर्मुज में हालात काफी नाजुक बने हुए हैं। सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने आरोप लगाया कि ईरान होर्मुज का इस्तेमाल जंग में दबाव बनाने के लिए कर रहा है। उन्होंने दुनिया के अन्य देशों से इस रूट की सुरक्षा में अधिक योगदान देने की अपील की। इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि जॉर्डन में उसने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर सफल हमला किया।

SPORTS NEWS

'The true protagonists': Luis de la Fuente hails his side as Spain clinch historic second World Cup title

Spain scripted history as they clinched their second FIFA World Cup title, defeating Argentina in the summit clash of the tournament. The two sides met at the New York-New Jersey Stadium on July 20th, and Spain managed to register a 1-0 win as Ferran Torres scored the only goal of the game in extra time. Throughout the game, Spain completely dominated Argentina; the defending champions were nowhere to be found. It was the 2010 champions who carried the ball throughout the game and dominated Argentina, ultimately helping themselves to a win. After the victory, Spain head coach Luis de la Fuente took centre stage and hailed the quality in his side and how the credit goes to the players who performed exceptionally well. "First of all I would like to thank the whole staff and everyone who worked with us. The players are the true protagonists. We feel satisfaction, pride. It's such an honour to be the coach of these amazing players," he added.

Rohit Sharma and Virat Kohli overtake Dilshan-Sangakkara in elite list with solid partnership against England

India took on England in the third and final ODI of the ongoing series between the two sides. The teams took centre stage at the Lord's Cricket Ground in London on July 19th, and the game began with England batting first and posting a total of 388 runs in the first innings. Chasing down the target, it was the performance of Rohit Sharma that stood out. Opening the innings, the veteran batter smashed his 51st international century and went on to score 138 runs in 110 deliveries, shutting down his critics and even shutting down the recent retirement talks. It is worth noting that Rohit and Kohli built a solid partnership in the second innings as well, building a partnership of 113 runs as they put England in a spot of bother in the second innings. Doing so, the duo also surpassed former Sri Lanka players Tilakratne Dilshan and Kumar Sangakkara in the list of players with the most 100+ partnerships in ODI cricket. Both Rohit and Kohli have now built 100+ run partnerships in ODIs 21 times, surpassing Dilshan and Sangakkara's tally of 20. With Rohit Sharma dismissed on a score of 138 runs, the responsibility falls on the shoulders of veteran batter Virat Kohli.

'Something is missing': Shubman Gill calls for improved fitness within team India amid injury crisis

The Indian team succumbed to a hefty loss in the third ODI of the multi-format series against England; the Men in Blue ended up losing the series as they faced defeats in the second and third ODIs, only managing to register a single victory across their tour of Ireland and England. There were several talking points from the series, with one of the biggest ones being the injury crisis that the Men in Blue are going through. The likes of Hardik Pandya, Nitish Kumar Reddy, Jasprit Bumrah, and many other stars are out injured, which has been one of the biggest reasons why India lost the series. Speaking on the same, India skipper Shubman Gill came forward and asked for improved fitness within the side, calling out that the players are unable to last a three-game series, and with the ODI World Cup on the horizon where the players will be required to play consistently, it could pose problems for the Men in Blue. "If you look at the first squad that we announced, at least five of the players did not play today. When one player gets injured, you have to play a different combination. If two are injured, you play a different combination. I think if a player is missing after every match [due to injury], somewhere we are missing a trick. Keeping the World Cup in mind, we have to play eleven matches in a row. And here the players are unable to finish a series of two or three matches."

Calcutta High Court orders arrest of wicket-keeper batter Abishek Porel over rape case

In a major development, the Calcutta High Court has come forward and ordered the immediate arrest of India wicket-keeper batter Abhishek Porel over a rape case. As part of the same ongoing case, the court has also directed the police to seize all the electronic devices of the batter to protect the complainant's privacy.

It is worth noting that the case came after Porel, who represents Delhi Capitals in the IPL, was accused of engaging a woman in a sexual relationship under the false promise of marriage, even subjecting her to assault and criminal intimidation in June 2026. Allegedly, Porel had also been threatening the victim to release her intimate photos and videos. The complaint was filed at Magra Police Station in Hooghly district; however, it is interesting to note that Porel denied the allegations. The next hearing on the matter is scheduled for August 11. Justice Saugata Bhattacharya issued the arrest warrant against Porel, and according to the complainant, she was sexually abused under the pretext of marriage; she also stated that she was in a relationship with Porel for the last three years. While he has denied the allegations, the officials confirmed to the High Court that efforts to locate the accused are currently underway. A detailed report on the arrest is expected in the coming days. Speaking of Abishek Porel, the 23-year-old is yet to make his international debut. However, he does have plenty of experience playing in the IPL (Indian Premier League).

He represents Delhi Capitals in the tournament, and in his four seasons with Delhi Capitals, Porel has played a total of 35 matches in the tournament and has scored 769 runs to his name, maintaining an average of 25.63 runs. Furthermore, apart from his time in the IPL, the 23-year-old has also played 32 first-class matches and 23 List A games.

Scoring 1408 and 833 runs, respectively, in both formats. He has established himself as a starting wicket-keeper for Bengal but is yet to represent the Indian team in any format. The Calcutta High Court has reportedly directed the immediate arrest of Abhishek Porel in connection with an ongoing criminal case. The court has also ordered investigating authorities to seize the cricketer's electronic devices as part of the investigation and to safeguard the complainant's privacy.

Vaibhav Sooryavanshi arrives in Zimbabwe alongside Team India ahead of three-game T20I series

The Indian team is all set to take on Zimbabwe across a three-game T20I series. The two sides will meet in Harare for all three clashes on July 23, 25, and 26, and ahead of the series, the Indian team has safely arrived in Zimbabwe. In a video shared by Zimbabwe Cricket across their social media handles, players of the Men in Blue's squad were seen arriving at the airport. In the video that has been making the rounds all over social media, 15-year-old Vaibhav Sooryavanshi and many stars of the side can be seen arriving at the airport. It is interesting to note that the Men in Blue will be coming into the series on the back of consecutive losses in the shortest format. The side lost two matches against Ireland and followed it up with a 4-0 series loss against England as well. With the series right around the corner, many eyes will be set upon 15-year-old Vaibhav Sooryavanshi. Coming on the back of a marvellous IPL (Indian Premier League) season, a lot was expected from Sooryavanshi when he was selected in India's squad for the Ireland and England series. He did not get a chance against Ireland.

'A sad story': Former India cricketer weighs in on India's ODI series loss against England

The Indian team sustained yet another loss in the third ODI of the series against England; the hosts registered a 27-run win in the game, clinching the series in the process, handing India yet another defeat. With the loss, former India cricketer Aakash Chopra expressed disappointment over India's performance in the series. He noted that the Men in Blue have been in a rut and have been on a losing streak, especially in the shortest format of the game. In India's ODI series against England, the visitors bore a 2-1 defeat, despite calling in their big guns. Limited to 360/7, 28 runs short of the 388-run target, they lost the third and final ODI at Lord's on Sunday, July 19. The match was the final game of India's tour of England, and the loss was preceded by a 0-4 defeat in the T20I.

R Ashwin gives his take on Kuldeep Yadav's continued absence from India squad after England series loss

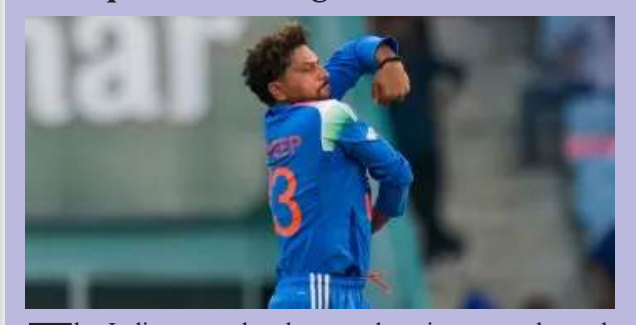

The Indian team has been undergoing a rough patch of form; after losing the T20I series against Ireland, the Men in Blue followed it up with a 4-0 T20I series loss against England. Furthermore, England handed India another 2-1 loss in the ODI series in what is being branded as one of the worst forms that the Men in Blue have been in recent times. Speaking on the same, former India cricketer Ravichandran Ashwin took centre stage and talked about the exclusion and absence of Kuldeep Yadav in the side. "It's his turn after we (Ashwin and Jadeja) have left. He has to be the number one.

If they are not showing confidence in him, what is the point of Kuldeep Yadav continuing? What is the direction forward for Kuldeep Yadav?" Ashwin said in a video on his YouTube channel. "I know everyone has their favorites. It's impossible that someone comes and says I'll treat everyone equally. Without your own knowledge, you will have your favorites. That will be there, but this is a case that is very bizarre. Yesterday was a big blow to Kuldeep," he added. Speaking on the Indian team's schedule, the Men in Blue are all set to take on Zimbabwe in a three-game T20I series next. The two sides will meet across three T20Is in Harare on July 23, 25, and 26. Coming on the back of consecutive losses in the shortest format, it could be interesting to see how the Indian team bounces back in T20I cricket. Furthermore, the upcoming series will also see the return of 15-year-old Vaibhav Sooryavanshi. Coming on the back of subpar performances in the England series, Vaibhav will be raring to go. On the back of a marvellous IPL season with Rajasthan Royals, many were backing Sooryavanshi to do well.

'Not told us anything': Shubman Gill opens up on Rohit Sharma's future amid ongoing retirement reports

Team India lost the third ODI of their multi-format series against England. Having lost the second and third ODIs, India missed out on winning the series, as England put in some brilliant performances. One of the biggest talking points from the series was the future of veteran batter Rohit Sharma. In the twilight of his career, Rohit Sharma came into the third ODI on the back of consecutive subpar performances in the series. He was dismissed for 11 and 26 runs in the first two ODIs of the series, respectively. However, he put in a good show in the third clash, scoring 138 runs to his name. After his performance in the first two ODIs, reports emerged that Rohit Sharma would be announcing his retirement from ODIs after the Lord's game. However, India skipper Shubman Gill revealed that he hasn't had a conversation with Rohit over his future in the side. With the conclusion of the ODI series, India will now be taking on Zimbabwe in a three-game T20I series. Coming on the back of six consecutive losses in T20I cricket, the Men in Blue will hope to improve against Zimbabwe. The side will take on Zimbabwe across three T20I matches. The games will be held on July 23, 25, and 26, and all three matches will be held in Harare. Coming on the back of subpar performances.

Rohit Sharma puts retirement rumours to rest in explosive interview after ENG series

The Indian team succumbed to a hefty loss in the third and final ODI of the series against England. The two sides met at the Lord's Cricket Ground in London for the clash on July 20th, and batting first, England managed to post a total of 387 runs on the board in the first innings. Aiming to chase down the target, it was the performance of veteran batter Rohit Sharma that stood out for the Men in Blue. Opening the innings, Rohit performed brilliantly as he scored 138 runs in 110 deliveries, propelling the Indian team to the perfect start in the game. After the game, Rohit Sharma came forward and talked about the outside noise as well. Putting the rumours of retirement to bed, Rohit claimed that his job is to perform on the field, and he is unfazed by outside noise surrounding everything.

गर्भावस्था और प्रसव के बाद महिलाओं के लिए फायदेमंद है व्यायाम, डिप्रेशन और एंग्जायटी होगी कम

गर्भावस्था और प्रसव के बाद का समय महिलाओं के जीवन का एक महत्वपूर्ण दौर होता है। इस दौरान जहां एक ओर मां बनने की खुशी होती है, वहीं दूसरी ओर शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव, थकान, पर्याप्त नींद न मिलना और नवजात की देखभाल की जिम्मेदारियों के कारण कई महिलाओं को तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। एक नए अध्ययन में कहा गया है कि इस दौरान नियमित शारीरिक गतिविधि और हल्का व्यायाम महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मददगार हो सकता है। 'फिजिकल एक्टिविटी एंड पेरिनेटल डिप्रेशन एंड एंग्जायटीः अ ग्लोबल अम्ब्रेला रिव्यू' शीर्षक से प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि गर्भावस्था और प्रसव के आसपास के समय में शारीरिक रूप से सक्रिय रहने वाली महिलाओं में अवसाद और चिंता के लक्षण अपेक्षाकृत कम देखे गए। शोधकर्ताओं के अनुसार, नियमित शारीरिक गतिविधि मानसिक तनाव कम करने का एक सरल और प्रभावी उपाय हो सकती है। यह अध्ययन दुनिया भर में प्रकाशित कई पूर्व अध्ययनों की समीक्षा पर आधारित है। शोधकर्ताओं ने वर्ष 2014 से अप्रैल 2026 तक प्रकाशित अध्ययनों का विश्लेषण किया। इसके लिए उन्होंने पबमेड, एम्बेस, वेब ऑफ साइंस, कोक्रेन लाइब्रेरी, साइकोइन्फो समेत कई अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा डेटाबेस से जानकारी जुटाई। कुल 4,109 अध्ययनों की समीक्षा के बाद 20 प्रमुख अध्ययनों को विश्लेषण में शामिल किया गया, जिनमें गर्भावस्था और प्रसव के दौरान या बाद में शारीरिक गतिविधि का अवसाद और चिंता पर प्रभाव जांचा गया था। अध्ययन में पाया गया कि नियमित रूप से शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से महिलाओं में अवसाद के लक्षण कम हो सकते हैं।

सिर्फ मीठी चीजों में ही नहीं, इन पैक्ड फूड्स में भी छिपी होती है चीनी

जब भी चीनी (शुगर) की बात होती है, तो सबसे पहले मिठाई, केक, चॉकलेट, आइसक्रीम या कोल्ड ड्रिंक का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चीनी सिर्फ मीठी चीजों में ही नहीं होती? कई ऐसे पैक्ड और रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ हैं, जिनका स्वाद मीठा भी नहीं लगता, फिर भी उनमें अच्छी-खासी मात्रा में ऐडेड शुगर होता है। दरअसल, हर चीनी एक जैसी नहीं होती। फलों, दूध और दही जैसी प्राकृतिक चीजों में जो चीनी होती है, उसे नेचुरल शुगर कहा जाता है। यह शरीर के लिए नुकसानदायक नहीं मानी जाती, क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में फाइबर, विटामिन, मिनरल और दूसरे जरूरी पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। दूसरी ओर, प्रोसेस्ड या पैक्ड फूड में जो चीनी अलग से मिलाई जाती है, उसे ऐडेड शुगर कहा जाता है। यही चीनी जरूरत से ज्यादा खाने पर मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग और कई दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ा सकती है। चीनी का इस्तेमाल सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि कई और कारणों से भी किया जाता है। इससे खाने की बनावट बेहतर होती है, रंग और स्वाद अच्छा बनते हैं और कई बार यह प्रिजर्वेटिव की तरह काम करके खाद्य पदार्थ की शेल्फ लाइफ भी बढ़ा देती है। यही वजह है कि पास्ता सॉस, केचप या सलाद ड्रेसिंग जैसी नमकीन चीजों में भी चीनी मिलाई जाती है। खाने में ऐडेड शुगर की मात्रा जानने के लिए सबसे आसान तरीका है न्यूट्रिशन लेबल पढ़ना। आजकल ज्यादातर पैक्ड फूड पर 'टोटल शुगर' और 'ऐडेड शुगर' दोनों की जानकारी दी जाती है। मान लीजिए किसी पैकेट पर लिखा है कि उसमें 20 ग्राम टोटल शुगर है और 15 ग्राम ऐडेड शुगर। इसका मतलब है कि सिर्फ 5 ग्राम चीनी प्राकृतिक रूप से मौजूद है, जबकि बाकी 15 ग्राम अलग से मिलाई गई है। सिर्फ इतना ही नहीं, पैकेट पर दिए गए इंग्रीडिएंट्स भी ध्यान से पढ़ें। अगर सूची की शुरुआत में ही चीनी या उससे जुड़े नाम लिखे हों, तो समझिए उस उत्पाद में चीनी की मात्रा ज्यादा हो सकती है। चीनी हमेशा 'शुगर' नाम से नहीं लिखी होती। कई लोग यही सोचकर धोखा खा जाते हैं कि अगर पैकेट पर 'शुगर' नहीं लिखा है तो उसमें चीनी नहीं होगी। जबकि कंपनियां चीनी के लिए कई अलग-अलग नाम इस्तेमाल करती हैं। जैसे- केन शुगर, कॉर्न सिरप, हाई फ्रक्टोज कॉर्न सिरप, राइस सिरप, मोलासेस, कैरेमल, हनी, अगावे आदि।

इस विटामिन की कमी वाले लोगों को खाना चाहिए बैंगन

बैंगन की सब्जी बहुत से लोगों को पसंद होती है। दरअसल, ये सब्जी हाई फाइबर से भरपूर है और शरीर के कई प्रकार के पोषण प्रदान करती है। इसमें घुलनशील कार्बोहाइड्रेट का स्तर कम होता है, जो इसे टाइप 2 डायबिटीज के लिए एक शक्तिशाली विकल्प बनाता है। इसके अलावा ये ऑक्सीडेटिव तनाव, ग्लूकोज के स्तर और बीपी मैनेज करने में मददगार है। साथ ही इसके कई फायदे हैं। पर सबसे पहले जानते हैं बैंगन में कौन सा विटामिन होता है। बैंगन में विटामिन बी6, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन ई होता है।

पर सबसे ज्यादा मात्रा में विटामिन बी6 होता है जो कि सेहत के लिए बेहद जरूरी है। विटामिन बी 6, या पाइरिडोक्सिन, एक पानी में घुलनशील विटामिन है जो प्राकृतिक रूप से बैंगन में पाया जाता है और शरीर में ब्लड के लेवल को मैनेज करने में मदद करता है।

तो, आपको इन विटामिन की कमी में बैंगन खाना चाहिए। शरीर में बीटा-कैरोटीन रेटिनॉल में परिवर्तित हो जाता है जो आंखों को हेल्दी रखने के साथ इम्यून सिस्टम की मजबूती के लिए जरूरी है। इसके अलावा ये स्किन को अंदर से हेल्दी रखने और इसके टैक्सचर को बेहतर बनाने में भी मददगार है। तो, इन तमाम कारणों से आपको बीटा कैरोटीन का सेवन करना चाहिए। मैग्नीशियम शरीर के कई हिस्सों को सुचारू रूप से चलाने में एक महत्वपूर्ण कारक है जो हृदय, हड्डियां, मांसपेशियां और तंत्रिकाओं को हेल्दी रखता है।

पर्याप्त मैग्नीशियम के बिना धमनियां संकुचित हो जाती हैं और ब्लड प्रेशर पर भी प्रभाव पड़ता है। तो, अगर आप अपना बीपी बैलेंस करना चाहते हैं तो बैंगन खाएं। हालांकि, अगर आपको पेट से जुड़ी समस्याएं रहती हैं तो इसे खाने से बचें।

सिर्फ मसाला नहीं, औषधीय गुणों से भरपूर है कलौंजी, डॉक्टर ने बताए इसके फायदे और इस्तेमाल का सही तरीका

कलौंजी का इस्तेमाल तड़के से लेकर अचार में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसकी सुगंध खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देती है। लेकिन क्या आप जानते हैं यह छोटा मसाला सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि कलौंजी के बीजों में थाइमोक्विनोन नामक पावरफुल बायोएक्टिव कंपाउंड होता है, जो अपने एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। ऐसे में कलौंजी का अगर सही तरीके से सेवन किया जाए तो यह सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। चलिए जानते हैं इसके फायदे और इस्तेमाल का तरीका?

सूजन होता है कंट्रोलः शरीर में मौजूद सूजन गम्भीर बीमारियों की वजह बन सकती है ऐसे में आप कलौंजी के एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, सूजन और इन्सुलिन रेजिस्टेंस को कम करते हैं। जिससे पाचन और मेटाबॉलिक कार्यप्रणाली में सुधार होता है।

ब्लड शुगर और बैड कोलेस्ट्रॉल होता है कंट्रोलः डॉक्टर शुभम वात्स्य के अनुसार, कलौंजी से फास्टिंग ब्लड शुगर एचबीएवेसी (HbA1c), बैड कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड और लिवर एन्जाइम में इम्प्रूवमेंट होता है। खासकरयह डायबिटीज, फैटी लिवर और बैड कोलेस्ट्रॉल में बेहद फायदेमंद है। तो अगर आपका ब्लड शुगर बढ़ा है आय बैड कोलेस्ट्रॉल इस मसाले का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

वजन होता है कमः अगर आपका वजन बढ़ा हुआ है तो उसे कंट्रोल करने के लिए कलौंजी का सेवन कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मेटाबॉलिज्म को फास्ट करते हैं जो आपका बढ़ा हुआ वजन कम करने में मददगार है।

गट हेल्थ होती है बेहतरः डॉक्टर शुभम वात्स्य के अनुसार, कलौंजी गट हेल्थ को भी बेहतर करती है। इसमें मौजूद थाइमोक्विनोन और कार्मिनेटिव गैस, ब्लोटिंग, अपच जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं में बेहद कारगर है।

कलौंजी का इस्तेमाल करने के लिए आप इसे पहले रोस्ट कर लें। इसे भुनने से इसके तेल एक्टिव हो जाते हैं, जिससे इसकी खुशबू और गुण दोनों बढ़ जाते हैं। इसका इस्तेमाल आप सीमित मात्रा में ही करें।

आंख लाल होना, खुजली या जलन होना सामान्य नहीं है, कंजंक्टिवाइटिस के हो सकते हैं लक्षण

मानसून में कंजंक्टिवाइटिस तेजी से फैलने वाली बीमारी है। ये एक से दूसरे में आसानी से फैलने वाला संक्रमण है। अगर परिवार में किसी एक को कंजंक्टिवाइटिस हो जाए तो करीबी संपर्क में रहने वाले परिवार के सदस्यों को भी खतरा रहता है। आमतौर पर इसे पिंक आई के नाम से जाना जाता है। ये वायरल कंजंक्टिवाइटिस गंदे हाथों, तौलियों, तकिए के कवर, मोबाइल फोन और बार-बार आंख को छूने से फैलता है। ये किसी की आंखों में देखने मात्र से नहीं होता है। शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ भुमेश त्यागी ने बताया कि वायरल कंजंक्टिवाइटिस, सबसे आम प्रकार है जो तेजी से फैलता है। अगर किसी को इंफेक्शन हो रखा है तो उसके हाथ से दूसरे हाथ छूने से, तौलिये, तकिए और दूसरी पर्सनल चीजों के सीधे संपर्क में आने से ये फैलता है। स्कूल जाने वाले बच्चे अक्सर तेजी से इसकी चपेट में आते हैं। नजदीकी संपर्क में आने पर ये माता-पिता या भाई-बहनों तक में फैल सकता है। पहले ये एक आंख में होता है और फिर दूसरी आंख में फैल जाता है। आमतौर पर 7-14 दिनों तक या जब तक आंखें लाल, पानीदार और पानी बहना बंद न हो जाएं, तब तक संक्रमण बना रहता है। संक्रमण फैलने की संभावना पहले 3 से 5 दिनों में सबसे ज्यादा होता है। जब परिवार के किसी एक सदस्य को कंजंक्टिवाइटिस हो जाता है, तो साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। क्योंकि इससे पूरे परिवार में एक से दूसरे में ये फैल सकता है। अगर इंफेक्शन होने के कुछ दिनों में सुधार न आए तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसा किसी दूसरी बीमारी के लक्षण भी हो सकते हैं।

फलों का राजा कच्चा हो या पका, हर तरह से करता है फायदा, जान लें कच्चा आम खाने से क्या होता है?

गर्मी का मौसम आते ही आम के दीवाने खुश होने लगते हैं।

पूरे साल फलों का राजा लोगों को बेसब्री से इंतजार करवाता है तब जाकर कहीं आम का स्वाद नसीब हो पाता है। अप्रैल के मौसम में वैसे कच्चे आम खूब आने लगते हैं। जब तक पके आम नहीं आते तब तक लोग कच्चे आम का ही इस्तेमाल शुरू कर देते हैं। बारिश, आंधी और ओले पड़ने के बाद बड़ी मात्रा में कच्चा आम गिर जाता है। ये कच्ची कैरी खाने में बहुत ही स्वाद लगती है। नाम लेते ही मुंह में पानी आने लगता है।

कच्चे आम से आम पन्ना, आम की चटनी और लौंजी बनाई जाती है।

सेहत के लिए भी कच्चा आम काफी फायदेमंज साबित होता है। जानिए कच्चा आम खाने से क्या फायदे मिलते हैं? कच्चा आम कई पोषक तत्वों का खजाना है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, कैल्शियम, आयरन, फाइबर, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्वों का भंडार पाया जाता है। गर्मी में लू से बचाने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में कच्चा आम मदद करता है।

रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए- कच्चा आम खाने से शरीर को विटामिन सी मिलता है। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और शरीर बीमारियों से दूर रहता है। इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए कच्चा आम खाना चाहिए। इससे गर्मी में होने वाली कई बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

पाचन को बनाए बेहतर- जो लोग कच्चा आम खाते हैं उन्हें पाचन संबंधी समस्याएं कम होती हैं। कच्चा आम खाने से भरपूर फाइबर मिलता है। जिससे कब्ज की समस्या दूर होती है।

45 साल के बाद महिलाओं को जरूर करने चाहिए ये 2 योगासान

बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं को कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। खासतौर से जब आप 45 की उम्र पार करते हैं तो हड्डियों से जुड़ी समस्या जैसे गठिया, ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आपको पहले से ही बॉडी को इन समस्याओं से लड़ने के लिए तैयार करना जरूरी है। हार्मोन बदलाव भी महिलाओं के शरीर में कई परेशानियां पैदा करता है। इसके लिए विटामिन डी, कैल्शियम और दूसरे पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना शुरू कर दें। इस समय सेहतमंद रहने के लिए कोई न कोई फिजिकल एक्टिविटी भी रुटीन में शामिल कर लें।

खासतौर से महिलाओं को लंबे समय तक फिट और जवान बने रहने के लिए रोजाना योग करना चाहिए। आज हम आपको ऐसे 2 योगासन बता रहे हैं जिन्हें 45 साल के बाद जरूर करना चाहिए। आप चाहे कितनी भी बिजी क्यों न हों, अपने लिए कम से कम आधा घंटे का समय जरूर निकालें। रोजाना कुछ देर योग करें और प्राणायाम करें। इसके अलावा वॉक, जॉगिंग और कुछ हल्की एक्सरसाइज करके खुद को फिट और हेल्दी बनाए रख सकती हैं। मेनोपॉज के बाद आने वाली समस्याओं को दूर करने में इससे मदद मिलेगी। निरोगी काया पानी है तो इन 2 योगासन को करना शुरू कर दें। इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल किसी दीवार के पास लेट जाएं।

हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है दही, बस जान लें इसे खाने का सही तरीका

हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या इन दिनों तेजी से बढ़ती जाती है। स्थिति ऐसी ही कि फैट जमा होने से धमनियों का रास्ता सकड़ा हो जाता और ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होने लगता है।

इससे लोगों को बीपी की समस्या होती है और समय के साथ ये दिल की बीमारियों का कारण बनने लगता है।

जैसे हार्ट अटैक। ऐसे में उन फूड्स को खाना जरूरी है जो कि कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करे। ऐसा ही एक चीज है दही। लेकिन, समझने वाली बात ये है कि दूध से बनी ये चीज कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में कैसे मददगार है। आइए जानते हैं इस बारे में विस्तार से। NIH की एक रिपोर्ट के मुताबिक दही के सेवन से कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद मिलती है।

दरअसल, दही का विटामिन सी ट्राइग्लिसराइड्स, फास्टिंग ग्लूकोज, इंसुलिन और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है। ये उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (LDL) या गुड कोलेस्ट्रॉल का भी बढ़ावा देने में मददगार है। हाई कोलेस्ट्रॉल में दही खाने का सबसे सही तरीका ये है कि दही में थोड़ा सा काला नमक मिलाएं और इसे रोजाना खाने के बाद खाएं। दिनभर में तय रखें कि 1 कटोरी दही तो जरूर खानी है।

भुने हुए चने को छिलके सहित खाने के हैं अलग फायदे, जान लेंगे तो हमेशा ऐसे ही खाएंगे!

आप भुने चने (Bhuna Chana with Chilka) को कैसे खाते हैं। दरअसल, ज्यादातर लोग इसके छिलके को निकालकर खाते हैं जबकि इसे बिना निकाले खाना सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद हो सकता है है। जी हां, जब आप भूना चना खाते हैं तो इसमें फाइबर की मात्रा इतनी ज्यादा हो जाती है कि इसे खाना आपके लिए अलग तरीके से काम करता है। ये मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है और पाचन क्रिया को तेज करता है। इसके अलावा भी छिलके वाले चने को खाना सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। आइए, जानते हैं इस बारे में विस्तार से। चने का छिलका भूसी की तरह काम करता है और पाचन क्रिया को तेज करने में मददगार है। ये मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है और इस प्रकार से कारगर है ये हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ वेट लॉस तक में मदद करता है। इसके अलावा ये टॉक्सिन्स को बाहर करता है जिससे फैटी लिवर के मरीजों के लिए ये फायदेमंद हो जाता है। इसलिए जिन्हें भी फैटी लिवर की बीमारी है उन्हें इसे जरूर खा लेना चाहिए। ये पाचन क्रिया को तेज करता है और बॉवेल मूवमेंट में तेजी लाता है जिससे मल त्याग में आसानी होती है और कब्ज की समस्या से बचाव होता है। इससे शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।

क्यों जरूरी है हर किसी के लिए सुबह 5:30 बजे की वॉक? मिलते हैं ये 2 खास फायदे

वॉक करने के फायदे (benefits of early morning walk) कई हैं। ये एक ऐसी एक्सरसाइज है जिसमें बिना कोई मेहनत के कई बीमारियों से बचने का राज छिपा है। जैसे कि अगर आप रोजाना वॉक करते हैं तो आपका ब्लड सर्कुलेशन सही रहेगा। दूसरा, आपके दिल का काम काज सही रहेगा और तीसरा आप पेट से जुड़ी कई बीमारियों से खुद को बचा पाएंगे। इसके अलावा जो लोग डायबिटीज के मरीज हैं, दिल के मरीज हैं या फिर जो लोग वेट लॉस के लिए संघर्ष कर रहे हैं उन सभी के लिए वॉक करना बेहद फायदेमंद है। पर आज खासतौर पर सुबह 5:30 बजे की वॉक करने के बारे में बात करेंगे। जानते हैं इस बारे में विस्तार से। सुबह 5:30 बजे की वॉक सबसे पहले लंग्स के लिए फायदेमंद। क्योंकि इस दौरान वातावरण में सबसे साफ हवा होती है। दूसरा, इस समय वॉक करने के दौरान शरीर को सूरज की पहली किरणें मिलती हैं जो कि बॉडी के सर्केडियन रिदम (Circadian rhythm) को सेट कर देता है और इससे शरीर सुचारू रूप से काम कर पाता है। इससे सुबह उठने और रात में सोने का समय सेट हो जाता है। इसके अलावा भी दो खास बाते हैं जो कि सुबह 5:30 बजे की वॉक से जुड़ी हुई हैं। जानते हैं इस बारे में विस्तार से। सुबह जब आप इस समय पर उठते हैं तो शरीर इन हार्मोन्स को सेट कर लेता है जो कि सूरज की रोशनी के साथ ही बैलेंस होते हैं। जैसे कि सुबह जब आप 5:30 बजे वॉक करते हैं तो ये डोपामाइन हार्मोन को बढ़ावा देता है, जो तनाव और अवसाद को कम करता है। इससे आप दिनभर खुश रहते हैं और बेहतर महसूस करते हैं।

इस प्रकार से सुबह 5:30 बजे वॉक करने के कई फायदे हैं। सेरोटोनिन, वो हार्मोन है जो आपको सोने में मदद करता है और आपके मूड को बेहतर बनाता है। जब आप सुबह इस समय उठकर वॉक करते हैं तो रात में अपने आप एक गहरी और अच्छी नींद में सो सकते हैं। इसके अलावा आपका दिनभर मूड अच्छा रहता है और मूड स्विंग्स को कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है। इस प्रकार से सुबह के समय 5:30 बजे की वॉक करना सेहत के लिए हर प्रकार से फायदेमंद है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह की नियमित वॉक केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी मानी जाती है। तेज चाल से 30 से 45 मिनट तक पैदल चलने से हृदय और फेफड़ों की कार्यक्षमता बेहतर हो सकती है, मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं तथा शरीर की ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। नियमित रूप से की गई वॉक लंबे समय में जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियों के जोखिम को कम करने में भी सहायक हो सकती है। जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए सुबह की वॉक संतुलित आहार के साथ एक प्रभावी आदत साबित हो सकती है।

सोनम वांगचुक अनशन जारी रखेंगे, पुलिस कार्रवाई से नाराज, कहा-छात्रों को सांसदों से मिलने दें

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सोमवार देर शाम ऐलान किया कि उनका अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल फिलहाल जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के "संसद चलो" मार्च के दौरान प्रदर्शन कर रहे युवाओं के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के बाद उन्होंने यह फैसला लिया है। वे तब तक उपवास जारी रखेंगे जब तक युवा नेताओं को सांसदों से मिलने की इजाजत नहीं मिल जाती या उन्हें खुद अस्पताल से ऐसा करने की अनुमति नहीं दी जाती। सफदरजंग अस्पताल से जारी एक हस्तलिखित बयान में वांगचुक ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उसे देखते हुए उनका अनशन जारी रखना जरूरी हो गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी और छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करेगी। उन्होंने अपने बयान में कहा, "शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे युवाओं के साथ जिस तरह की बर्बरता बरती जा रही है, उसे देखते हुए मैंने तब तक अपना अनशन जारी रखने का फैसला किया है, जब तक युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की इजाजत नहीं मिल जाती या मुझे उनसे यहीं अस्पताल में मिलने की अनुमति नहीं दी जाती।" सोनम वांगचुक ने प्रदर्शनकारियों की सराहना की और कहा कि उकसावे के बावजूद युवाओं ने शांति और संयम बनाए रखा। वांगचुक ने सरकार और पुलिस से अपील की कि छात्रों को संसद के सामने अपनी बात रखने और सांसदों से मिलने का अवसर दिया जाए। उनका कहना था कि यदि ऐसा होता है तो पूरे आंदोलन के दौरान शांति बनी रहेगी। इससे पहले वांगचुक ने कहा था कि यदि सरकार शिक्षा व्यवस्था में कथित खामियों की जिम्मेदारी स्वीकार करती है या राजनीतिक दल यह भरोसा देते हैं कि संसद के मानसून सत्र में इस मुद्दे पर चर्चा होगी, तो वह अपना अनशन समाप्त करने पर विचार करेंगे। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं के बाद उन्होंने अपना फैसला बदलते हुए भूख हड़ताल जारी रखने की घोषणा कर दी। बता दें कि सोनम वांगचुक का इलाज अभी भी सफदरजंग अस्पताल में जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी तबीयत फिलहाल स्थिर है। ब्लड शुगर अभी भी सामान्य से कम है, लेकिन बाकी ब्लड रिपोर्ट में सुधार देखा गया है। ORS और पोटैशियम सिरप देने से उनकी हालत में सुधार हुआ है। सफदरजंग अस्पताल और AIIMS के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। डॉक्टरों का कहना है कि डिहाइड्रेशन से पूरी तरह उबरने और किसी भी जटिलता से बचने के लिए लगातार मॉनिटरिंग जरूरी है। अस्पताल में उन्हें जरूरी सभी मेडिकल सुविधाएं दी जा रही हैं। आगे का इलाज उनकी सेहत में सुधार और आने वाली जांच रिपोर्टों के आधार पर तय किया जाएगा। बता दें कि सोनम वांगचुक जंतर मंतर पर 28 जून से अनशन कर रहे थे। इस बीच शनिवार को दिल्ली पुलिस ने उन्हें जबरन सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया। सोनम वांगचुक के अस्पताल में भर्ती होने के बाद उनके समर्थकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से लगातार उनकी सेहत की जानकारी ली जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए गए।

राजस्थान मौसम अलर्ट : सीकर, सवाई माधोपुर और करौली के लिए ऑरेंज' अलर्ट

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन मौसम विज्ञान विभाग (IMD), मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर द्वारा आज शाम को एक तात्कालिक मौसम चेतावनी (Nowcast Weather Warning - 07) जारी की गई है।

मौसम केंद्र ने प्रदेश के कई हिस्सों में आगामी तीन घंटों के लिए मौसम का विशेष अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने सीकर, सवाई माधोपुर और करौली जिलों तथा उनके आस-पास के क्षेत्रों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। इन इलाकों में कहीं-कहीं मध्यम से तीव्र मेघगर्जन (बादल गरजने) के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से अचानक तेज हवाएं चलने और हल्की से मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना जताई गई है। संभावित प्रभाव और सुझाव : संवेदनशील स्थानों जैसे बड़े पेड़ों, बिजली के खंभों, कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और कमजोर संरचनाओं को मामूली नुकसान हो सकता है।

सुझाव : मौसम विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे मेघगर्जन के समय पेड़ों व कमजोर संरचनाओं के नीचे शरण न लें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

तमिलनाडु के सीएम विजय के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले विधायक गिरफ्तार

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की आलोचना करने के आरोप में डीएमके विधायक मार्कंडेयन को उनके घर से सोमवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, मुख्यमंत्री की आलोचना करने के कारण डीएमके विधायक अनीता राधाकृष्णन को 6 जुलाई को थूथुकुडी में गिरफ्तार किया गया था। पूर्व सीएम और डीएमके प्रमुख करुणानिधि की जयंती मनाने के लिए थूथुकुडी जिले के विलाथिकुलम निर्वाचन क्षेत्र में डीएमके विधायक मार्कंडेयन की अगुवाई में एक जनसभा आयोजित की गई। इस जनसभा में डीएमके विधायक ने सीएम विजय के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। इस मामले में टीवीके सदस्यों की शिकायत के बाद पुलिस विलाथिकुलम इलाके में डीएमके विधायक मार्कंडेयन के घर दल बल के साथ पहुंची और उन्हें गिरफ्तार कर हिरासत में ले लिया। कानून व्यवस्था को नियंत्रण में रखने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस के अमुसार तमिलनाडु में विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम के नेता और विलाथिकुलम से विधायक जीवी मार्कंडेयन को मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी करने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विधायक को उनके आवास से हिरासत में लिया गया। इस दौरान उनके समर्थकों ने पुलिस कार्रवाई के विरोध में नारेबाजी की। बाद में औपचारिक रूप से उनकी गिरफ्तारी दर्ज की गई। अधिकारी के अनुसार, सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के एक पदाधिकारी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में मार्कंडेयन यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति के बिना उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह एक विधायक हैं।

मुंबई की विशेष अदालत का सख्त फैसला, 44 सोमाली समुद्री डाकुओं को उम्रकैद की हुई सजा, जानिए पूरा मामला

मुंबई की विशेष अदालत ने ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज FV अल-कंबर 786 के अपहरण और मार्च 2024 में उसके 23 चालक दल के सदस्यों को बंधक बनाने के मामले में सभी 9 सोमाली नागरिकों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। इस मामले की सुनवाई समुद्री डकैती निरोधक अधिनियम, 2022 (Maritime Anti-Piracy Act, 2022) के तहत हुई।

मामले की पैरवी येलो गेट पुलिस स्टेशन की ओर से विशेष लोक अभियोजक एडवोकेट रंजीत वी. सांगले ने की।

फैसला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस.बी. दिघे की विशेष 28 वीं अदालत ने सुनाया।

यह फैसला सोमाली समुद्री डकैती के मामलों में भारत के लगातार दोषसिद्धि के रिकॉर्ड को और मजबूत करता है।

मुंबई की विशेष अदालत ने एमवी रूएन जहाज के अपहरण मामले में सभी 35 सोमाली नागरिकों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है।

यह समुद्री डकैती निरोधक अधिनियम, 2022 के तहत भारत का पहला सफल अभियोजन है।

यह मामला मार्च 2024 में भारतीय नौसेना द्वारा जहाज को मुक्त कराए जाने और उसके बाद येलो गेट पुलिस स्टेशन की लंबी जांच के बाद अदालत पहुंचा था। मामले की पैरवी विशेष लोक अभियोजक एडवोकेट रंजीत वी. सांगले ने की।

दिल्ली सरकार ने दी 'परिवर्तन' योजना को मंजूरी, प्रदूषण फैलाने वाले वाहन हटाने पर मिलेगी बंपर छूट

दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना 'परिवर्तन' (PARIVAR-TAN) को राजधानी में लागू करने और उसका पूरा समर्थन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य परिवहन क्षेत्र से होने वाले वायु प्रदूषण और नेटवर्क उत्सर्जन को तेजी से कम करना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार यह योजना पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों और बसों को हटाकर उनकी जगह बीएस-6, उससे भी कड़े प्रदूषण मानकों वाले या इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है, ताकि परिवहन से होने वाले वायु प्रदूषण और उत्सर्जन को कम किया जा सके। इस योजना का पूरा नाम 'प्रोग्राम फॉर ऐक्सेलरैटिड रिनुअल एंड इनसेंटिवाइजेशन ऑफ व्हीकल ऐसेट्स फॉर रिड्यूसिंग ट्रांसपोर्ट एयर पलूशन एंड नेटवर्क एमिशन' है। इसके तहत पुराने, जर्जर और ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले कमर्शियल वाहनों (जैसे ट्रकों और बसों) को सड़कों से हटाया जाएगा। यह स्वीकृति हाल ही में आयोजित दिल्ली सरकार की कैबिनेट की बैठक में दी गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह योजना दिल्ली-एनसीआर में पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों और बसों को हटाकर उनकी जगह बीएस-VI, उससे भी कड़े उत्सर्जन मानकों का पालन करने वाले या इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे राजधानी में स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और व्यावसायिक वाहनों के आधुनिकीकरण के साथ-साथ वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने जानकारी दी कि योजना के तहत यदि कोई वाहन मालिक अपना बीएस-IV या उससे नीचे का हल्का मालवाहक वाहन (एलजीवी) स्क्रैप कराकर नया इलेक्ट्रिक एलजीवी खरीदता है तो उसे दिल्ली सरकार की ओर से 10 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट और 100 प्रतिशत पंजीकरण शुल्क माफी दी जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस योजना में पुरानी बीएस-IV या उससे नीचे की बसों को भी शामिल किया गया है।

बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालु की पिटाई का वीडियो वायरल, महिला कांस्टेबल ने 25 सेकेंड में जड़े 8 थप्पड़

ठाकुर बांके बिहारी दर्शन करने आए श्रद्धालु के साथ महिला पुलिसकर्मी द्वारा मारपीट का वीडियो सामने आया है।

विश्व प्रसिद्ध वृंदावन के ठाकुर बांके बिहारी मंदिर एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गया है। इस बार मामला दर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था नहीं, बल्कि एक श्रद्धालु के साथ कथित मारपीट का है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में मंदिर परिसर में तैनात एक महिला कांस्टेबल एक युवक को लगातार थप्पड़ मारती हुई दिखाई दे रही है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस के व्यवहार पर सवाल उठ रहे हैं और कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि घटना रविवार सुबह की है, जबकि इसका वीडियो सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जानकारी के मुताबिक, युवक अपने परिवार के साथ ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए आया था। वह मंदिर के गेट नंबर-4 स्थित VIP रेलिंग के पास कतार में खड़ा था। इसी दौरान भारी भीड़ के कारण धक्का-मुक्की हुई और महिला कांस्टेबल को भी धक्का लग गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धक्का लगने के बाद महिला कांस्टेबल का गुस्सा फूट पड़ा। उसने युवक की टी-शर्ट पकड़कर उसे लाइन से बाहर खींच लिया और फिर उसके बाल पकड़कर लगातार थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। वहीं, पास में मौजूद एक पुलिसकर्मी ने युवक के हाथ पकड़ लिए, जिससे वह खुद का बचाव भी नहीं कर सका। दावा किया जा रहा है कि महिला कांस्टेबल ने महज 25 सेकेंड के भीतर युवक को आठ थप्पड़ जड़ दिए। इस दौरान युवक की मां अपने बेटे को बचाने के लिए दौड़कर पहुंची। वह रोते हुए पुलिसकर्मियों से बार-बार कहती रही- छोड़ दीजिए, मेरा बेटा मर जाएगा। लेकिन उसकी गुहार का कोई असर नहीं हुआ और महिला कांस्टेबल युवक को पीटती रही। मौके पर मौजूद अन्य श्रद्धालुओं ने भी बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मी नहीं रुके। मारपीट का विरोध बढ़ने और लोगों द्वारा मोबाइल फोन से वीडियो बनाए जाने के बाद अन्य पुलिसकर्मी युवक को VIP वेटिंग एरिया से बाहर ले गए। इसके बाद घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। करीब 56 सेकेंड के वायरल वीडियो में लाल टी-शर्ट पहने युवक को तीन-चार पुलिसकर्मियों से घिरा देखा जा सकता है।

यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट के पास जहाज पर हमला, 4 भारतीयों की मौत; भारत ने की कड़ी निंदा

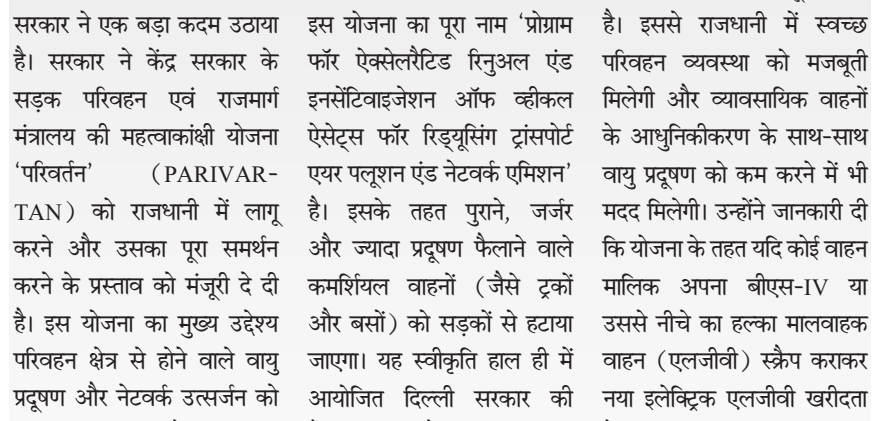

नई दिल्ली। यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से रवाना हो रहे कमर्शियल मालवाहक जहाज एमवी गोल्डन लियो (MV Golden Leo) पर हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय गंभीर रूप से घायल हो गया। विदेश मंत्रालय (MEA) ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया और हमले की कड़ी निंदा की है। यह हमला 19 जुलाई की शाम में उस वक्त हुआ जब यह जहाज पोर्ट से रवाना हो रहा था। विदेश मंत्रालय के मुताबिक 19 जुलाई 2026 की शाम ओडेसा पोर्ट से निकलते समय जहाज पर हमला हुआ। जिस वक्त हमला हुआ उस वक्त जहाज पर चालक दल के कुल 17 सदस्य सवार थे, जिनमें 5 भारतीय नागरिक शामिल थे। अचानक हुए इस हमले में चार भारतीयों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। विदेश मंत्रालयने कहा कि यूक्रेन में भारतीय दूतावास लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और इस हमले में घायल भारतीय के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

लोधेश्वर महादेव मंदिर में बनेगा काशी जैसा कॉरिडोर, CM योगी का ऐलान, कहा- "पहले कट्टा और बम था, अब ब्रह्मोस है"

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी के लोधेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। वहीं, मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर यहां भी कॉरिडोर बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोधेश्वर महादेव मंदिर में आस-पास के कई जिलों से श्रद्धालु आते हैं, लेकिन सालों से यह मंदिर जीर्ण-शीर्ण हालत में था। 1947 के पहले की स्थिति तो समझी जा सकती है, लेकिन आजादी के बाद भी मंदिर की यह दुर्दशा समझ से परे थी। पिछली सरकारों ने सिर्फ कब्रिस्तान के लिए काम किया, लोधेश्वर मंदिर के लिए कुछ नहीं किया। हमने भारत के विरासत के प्रतीक लोधेश्वर महादेव कॉरिडोर के लिए बजट दिया है। काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर यहां भी कॉरिडोर बनेगा। आज काशी, अयोध्या कोई जाता है, तो आशीर्वाद देकर जाता है। ऐसे ही यहं जब कॉरिडोर बन जाएगा तो लोग आशीर्वाद देंगे। विरासत सनातन धर्म की पहचान है। सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि इनके राज में जनता के पैसे का दुरुपयोग होता था। पैसा आपका था, लेकिन वह कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल बनाने में खर्च होता था। लोधेश्वर महादेव, अयोध्या या काशी के लिए इनके पास पैसा नहीं था। पिछली सरकारों में कांवड़ यात्रा और रामनवमी जैसे पावन समारोहों को रोक दिया जाता था और इसे वो धर्मनिरपेक्षता कहते थे।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415